कार्तिक शुक्ल पक्ष -9, 2083 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-10, अंक - 131 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

भोपाल
18 नवंबर 2026 बुधवार

आज का मौसम
29.6 अधिकतम
13.0 न्यूनतम

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो



Page-7

हे प्रभु, राहुल को माफ कर दो... इन्हें नहीं पता ये क्या कहते हैं!



प्रसंगवश

राजेश सिरोठिया

उत्तर प्रदेश के टिकट बंटवारे और चुनावी रणनीति की गहमागहमी के बीच राहुल गांधी एक बार फिर अमेरिका जा पहुंचे। इस बार न्यूयॉर्क की प्रतिष्ठित कोलंबिया यूनिवर्सिटी में बीती रात उनका व्याख्यान आयोजित था। वहां छात्रों के बीच उन्होंने अपनी चिरपरिचित राजनीतिक शैली में भारत की अर्थव्यवस्था, बेरोजगारी, चुनाव प्रक्रिया और शिक्षा व्यवस्था को लेकर कई सवाल उठाए। उनके वक्तव्य का लब्बोलुआब यही था कि भारत की अर्थव्यवस्था गिर रही है, बेरोजगारी बढ़ रही है और मतदाता सूची में बड़े पैमाने पर गड़बड़ियां हुई हैं। उन्होंने दावा किया कि उनके पास इसके कई सबूत हैं और वे आगे जुटा भी रहे हैं।

राहुल ने मतदाता सूची के पुनरीक्षण और चुनावी प्रक्रिया में खर्च होने वाले धन को लेकर भी सवाल उठाए। उनका कहना था कि इस प्रक्रिया में अनुमान से बीस, तीस, चालीस या पचास गुना अधिक धन खर्च हुआ है। उन्होंने चुनाव सुधारों की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि निष्पक्ष चुनाव लोकतंत्र की बुनियाद हैं। इसके अलावा उन्होंने युवाओं में निराशा, शिक्षा व्यवस्था की खामियों और नई पीढ़ी तथा उसके माता-पिता के बीच बढ़ते वैचारिक अंतर का भी जिक्र किया।

अब अमेरिका में मौजूद छात्रों, भारतीय मूल के युवाओं और वहाँ पढ़ने या काम करने वाले भारतीयों ने उनके इन विचारों को किस रूप में लिया होगा, यह तो वही बता सकते हैं। लेकिन भारत में उनके भाषण को लेकर सवाल उठना स्वाभाविक है। खासकर तब, जब देश की अर्थव्यवस्था, रोजगार और चुनाव प्रक्रिया जैसे गंभीर विषयों पर कोई राष्ट्रीय नेता अंतरराष्ट्रीय मंच से टिप्पणी करता है। राहुल गांधी की मुश्किल यह है कि उनके आरोपों के साथ अक्सर तथ्यों और ठोस समाधान का अभाव दिखाई देता है। वे समस्याओं की लंबी फेहरिस्त तो गिनाते हैं, लेकिन उनके स्रोत, प्रमाण और समाधान को लेकर उतनी स्पष्टता नहीं दिखाते। मतदाता सूची में गड़बड़ी हुई है तो उसका ठोस प्रमाण क्या है? चुनावी प्रक्रिया में खर्च का आंकड़ा किस आधार पर निकाला गया है? बेरोजगारी के उनके आकलन का स्रोत क्या है? और सबसे अहम सवाल यह कि इन समस्याओं से निपटने के लिए कांग्रेस के पास क्या व्यावहारिक योजना है?

राहुल भाई को इसीलिए माफ कर देना चाहिए। उनकी बातों से कई बार ऐसा लगता है कि वे अपने विचारों से ज्यादा किसी और की तैयार की हुई राजनीतिक पटकथा पढ़ रहे हैं। उनके सलाहकारों और स्क्रिप्ट राइटरों को भी यह समझना चाहिए कि अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत की छवि को लेकर बयानबाजी करना और देश की वास्तविक समस्याओं का तथ्यपरक विश्लेषण करना दो अलग-अलग बातें हैं। भारत की आलोचना करना आसान है, लेकिन भारत की जटिलताओं को समझकर समाधान प्रस्तुत करना कहीं अधिक कठिन। यह वही राहुल गांधी हैं, जिन्होंने यूपीए सरकार के दौर में गरीबी को महज मानसिकता बताने वाला बयान दिया था। तब भी उनके वक्तव्य ने राजनीतिक बहस को जन्म दिया था। आज जब वे बेरोजगारी और आर्थिक बदहाली की बात करते हैं तो स्वाभाविक है कि उनसे यह पूछा जाएगा कि उनकी पार्टी ने अपने लंबे शासनकाल में इन समस्याओं के समाधान के लिए क्या किया और आज उसके पास देश के लिए कौन-सा वैकल्पिक आर्थिक मॉडल है?

किसी और की तैयार की हुई राजनीतिक पटकथा

56 वर्ष की उम्र में भी खुद को युवा राजनीति का प्रतिनिधि बताने वाले राहुल गांधी की बातों को जनता कितनी गंभीरता से लेती है, इसका फैसला जनता पर ही छोड़ देना चाहिए। लेकिन एक बात उन्हें और उनके सलाहकारों को जरूर समझनी होगी कि केवल आरोपों और भाषणों से राजनीतिक विश्वसनीयता अर्जित नहीं होती। लोकतंत्र में सरकार से सवाल पूछना विपक्ष का अधिकार ही नहीं, उसकी जिम्मेदारी भी है। लेकिन सवाल पूछने वाले की अपनी जवाबदेही भी उतनी ही जरूरी है। यदि राहुल गांधी किसी समस्या की ओर देश का ध्यान आकर्षित करते हैं तो उन्हें उसके प्रमाण, स्रोत और समाधान भी सामने रखने चाहिए। क्योंकि देश को केवल विरोध करने वाला विपक्ष नहीं चाहिए। उसे ऐसा विपक्ष चाहिए जो सत्ता का विकल्प बनने की क्षमता और दृष्टि रखता हो। किसी भी राजनीतिक दल को विकल्प बनने के लिए सरकार की कमियाँ गिनाने से आगे बढ़कर एक बेहतर प्रकल्प देश के सामने रखना पड़ता है। राहुल गांधी को यह बात जितनी जल्दी समझ आ जाए, उनके लिए और भारतीय लोकतंत्र के लिए उतना ही बेहतर होगा।

न्यूज विंडो

रूस.. सैन्य ट्रांसपोर्ट विमान क्रैश, 19 लोगों की गई जान



मॉस्को, एजेंसी। रूस के दक्षिण-पश्चिमी साइबेरिया में सैन्यविमान क्रैश हो गया। हादसे में विमान में सवार सभी 19 लोगों की मौत हो गई। रूसी मीडिया आउटलेट 'इजवेस्टिया' ने बताया कि यह ट्रांसपोर्ट विमान था। एयरक्राफ्ट सीधा नीचे गिरा और इसमें हवा में ही आग लग गई थी। हालांकि, यह कैसे दुर्घटनाग्रस्त हुआ यह अभी साफ नहीं है। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि शुरुआती रिपोर्ट्स में इसके उपकरण फेल होने से हादसा हुआ है। केमेरोवो इलाके के गवर्नर इल्या सेरेद्यूक ने यागुनोवो गांव के पास विमान दुर्घटना की पुष्टि की। रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि दुर्घटनाग्रस्त विमान An-12 है, जो सैन्य मालवाहक विमान है। इसे सोवियत संघ के दौर में यूक्रेन की एंटोनोव कंपनी ने बनाया था।

बदले नियम... इंस्टाग्राम पर अब नहीं दिखेंगे अश्लील और हिंसक पोस्ट!



नई दिल्ली। भारत सरकार के सुझावों के बाद मेटा ने अपने कंटेंट अल्गोरिदम में बड़ा बदलाव किया है। अब इंस्टाग्राम पर अश्लील और हिंसक कंटेंट कम दिखाए देंगे। भारत सरकार द्वारा मेटा से यह समीक्षा करने के लिए कहा जाने के एक महीने बाद ये बदलाव किए गए हैं। मेटा ने बताया कि अब इंस्टा फीड पर उकसाने वाली और हिंसा कंटेंट कम आएंगे। यह बदलाव रील्स, एक्सप्लोर और फीड में दिखने वाले उन पोस्ट पर लागू होगा, जिन्हें यूजर्स फॉलो नहीं करते।

सिलेंडर से लगी आग, मां सहित 2 बेटों की जिंदा जलकर मौत

इंफाल। मणिपुर के बिष्णुपुर जिले के मैबाम चिंगमांग माखा लेइकाई गांव में देर रात गैस सिलेंडर से गैस लीक होने के कारण एक घर में आग लग गई। हादसे में 36 साल की महिला और उसके दो बेटों की मौत हो गई। मृतकों की पहचान खंगज्रकपम ओंगबी रंजना और उनके 14 और 7 साल के बेटों के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक, घर लकड़ी और बांस से बना था और उसकी छत टिन की थी। इसी वजह से आग तेजी से फैल गई। मां और दोनों बच्चे घर के अंदर फंस गए और बाहर नहीं निकल सके।

मोहन सरकार की डेस्टिनेशन कैबिनेट... सिविल सेवा नियम 1961 में संशोधन

सरकारी नौकरी में दो बच्चों की पाबंदी खत्म, 30 हजार शिक्षकों को राहत

■ तीसरी संतान के आधार पर चल रही विभागीय जांच बंद होगी

भोपाल / मंदसौर, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश के सरकारी कर्मचारियों और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं के लिए बड़ी खबर है। सरकार ने सरकारी नौकरी में 25 साल से लागू 'दो बच्चों की पाबंदी' को पूरी तरह खत्म कर दिया है। आज मंदसौर के गांधी सागर में हुई विशेष कैबिनेट बैठक में सामान्य प्रशासन विभाग के सिविल सेवा नियम, 1961 में संशोधन के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। इस फैसले के बाद अब तीसरी संतान होने पर न तो किसी कर्मचारी को नौकरी से बर्खास्त किया जा सकेगा और न ही नई भर्तियों में 3 बच्चों वाले उम्मीदवार अयोग्य ठहराए जाएंगे। इससे अकेले स्कूल शिक्षा विभाग के 30 हजार से ज्यादा शिक्षकों को सीधी राहत मिलने की उम्मीद है। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने फैसले की जानकारी देते हुए कहा कि समाज के विभिन्न क्षेत्रों में जब कोई पाबंदी नहीं है तो सरकारी कर्मचारियों लिए क्यों होनी चाहिए, इस पर कैबिनेट ने विचार कर निर्णय लिया।

फैसले के लागू होते ही तीसरी संतान के आधार पर जिन कर्मचारियों के खिलाफ वर्तमान में अनुशासनात्मक कार्रवाई या विभागीय जांच चल रही है, उसे तत्काल प्रभाव से समाप्त कर दिया जाएगा। हालांकि, सरकार ने एक अहम शर्त भी तय की है। साल 2001 के बाद जिन कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई कर अंतिम आदेश पारित किया जा चुका है या जिन्हें सेवा से बाहर किया जा चुका है, उन मामलों को दोबारा नहीं खोला जाएगा। अलग-अलग विभागों में इस नियम के तहत करीब 8 से 10 हजार मामले लंबित हैं। सबसे ज्यादा शिकायतें स्कूल शिक्षा, उच्च शिक्षा, स्वास्थ्य और मेडिकल एजुकेशन विभाग से जुड़ी हैं।



मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंदसौर जिले के गांधीसागर में 'उपज से उद्यम 'अंतर्गत आयोजित प्रदर्शनी का अवलोकन किया।

मोहन भागवत ने कहा था- 3 बच्चे जरूरी

हाल के वर्षों में इस नियम को व्यक्तिगत स्वतंत्रता का हनन माना जा रहा था। इस नियम को हटाने की प्रक्रिया में तेजी हाल ही में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत के बयान के बाद आई। 18 फरवरी को लखनऊ में घटती जनसंख्या पर चिंता जताते हुए मोहन भागवत ने कहा था कि भारत की प्रजनन दर 2.1 है, लेकिन समाज के अस्तित्व को बनाए रखने के लिए प्रति परिवार औसतन 3 बच्चों का होना जरूरी है।

मुरैना में विश्वविद्यालय गरोठ में केमिकल पार्क

कैबिनेट ने मुरैना में नया मेडिकल कॉलेज खोलने और गरोठ में मेडिकल पार्क स्थापित करने के निर्णय लिया है । मेडिकल पार्क खुलने से रोजगार के अवसर मिलेंगे । कैबिनेट में विमानन नीति में संशोधन और उज्जैन में 800 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाले चिड़ियाघर के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। सरकार ने वर्ष 2025 में बनाई गई विमानन नीति में 8 संशोधन करने का निर्णय लिया है। रतलाम रीजन में 453 हेक्टेयर में बॉयोडेस फार्मा पार्क स्थापित किया जाएगा। धार के भैंसोला में वस्त्र एवं संबंधित उद्योग पार्क को भी मंजूरी दी गई।

लश्कर का आतंकी ढेर

सुरक्षा बलों से कहा था... सरेंडर नहीं करूंगा, मुझे अल्लाह से मिलना है....



कुलगाम, एजेंसी। सीआरपीएफ पोस्ट पर फायरिंग करने वाले लश्कर-ए-तैयबा के आतंकी लतीफ भट को सुरक्षाबलों ने आज एनकाउंटर में मार गिराया। वह एक मस्जिद के अंदर छिपा था। मुठभेड़ से पहले जवानों ने उसे वीडियो कॉल कर सरेंडर करने के लिए कहा। पुलिस अधिकारी ने उससे कहा, 'हम तुम्हारे साथ हैं, जिंदगी अभी बाकी है।' लतीफ ने जवाब दिया, 'मुझे अल्लाह से मुलाकात करना है। बहुत खुश हूं मैं। सरेंडर नहीं करूंगा।'

सुरक्षाबलों के मुताबिक, लतीफ ने उमर निसार डार के साथ 11 नवंबर को नौपोरा अखरान में सीआरपीएफ की पोस्ट पर फायरिंग की थी। इसमें 3 जवान घायल हो गए थे। इसके बाद से दोनों फरार थे। 16 नवंबर को अखरान के लारू इलाके में दोनों आतंकियों को पुलिस ने घेर लिया था। फायरिंग में उमर मारा गया, लेकिन लतीफ भाग निकलने में कामयाब हो गया था। उसके पैर में गोली लगी थी। इसके बाद पूरे इलाके में सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा था। दो दिन बाद फिर देवसर इलाके के जांगलपोरा गांव की एक मस्जिद में छिपे होने की जानकारी मिली थी। 22 साल के लतीफ पर पुलिस ने 15 लाख रुपए का इनाम घोषित कर रखा था।

चक्रवाती तूफान अकवान आंध्र की ओर बढ़ा

■ 110 किमी प्रति घंटा की रफ्तार, गंगोत्री में पारा माइनस 14



नई दिल्ली, एजेंसी। बंगाल की खाड़ी में उठा चक्रवाती तूफान अकवान आज और ताकतवर हो गया है। यह 100-110 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से आंध्र प्रदेश की ओर बढ़ रहा है। यह 20 नवंबर की दोपहर नेल्लोर और विशाखापत्तनम के बीच यनम तट से टकरा सकता है। उस समय हवा की रफ्तार 130 से 145 किमी प्रति घंटा तक पहुंचने की आशंका है। मौसम विभाग ने आंध्र प्रदेश, ओडिशा और तेलंगाना में अगले चार दिन बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इधर, पहाड़ों पर बर्फबारी-बारिश के कारण उत्तराखंड में सर्दी बढ़ी है। कई राज्यों में रात का पारा 10 डिग्री तक पहुंच गया है। गंगोत्री में बर्फबारी के बाद तापमान माइनस 14 डिग्री दर्ज किया गया।

ट्रम्प की हत्या की साजिश पाकिस्तानी को 27 साल जेल



वॉशिंगटन डीसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की हत्या की साजिश रचने के मामले में पाकिस्तानी नागरिक आसिफ मर्चेंट को 27 साल 6 महीने जेल की सजा सुनाई गई है। वह ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स के लिए काम कर रहा था। 48 साल के आसिफ को अमेरिकी अदालत ने आतंकवादी साजिश और सुपारी देकर हत्या कराने की कोशिश का दोषी पाया गया।

बुदनी...घर में मिले पति-पत्नी और बेटे के शव

■ ट्रिपल मर्डर की आशंका...तीनों के सिर पर चोट के निशान



सीहोर, दोपहर मेट्रो। सीहोर जिले के बुदनी नगर के वार्ड-12 में आज सुबह एक घर में पति-पत्नी और उनके बेटे के शव मिले। मृतकों की पहचान राकेश मीणा (45 साल), उनकी पत्नी राधा मीणा (40 साल) और बेटे अश्विन (24 साल) के रूप में हुई है। शुरुआती जांच में तीनों के सिर पर चोट के निशान मिले हैं। पुलिस को आशंका है कि मंगलवार रात तीनों की हत्या की गई। राकेश मीणा जूते चप्पल की दुकान लगाता था। सूचना मिलते ही एसडीओपी रवि शर्मा और थाना प्रभारी सुनील ठाकुर पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने घटना स्थल का निरीक्षण कर जांच शुरू की है। फोरेंसिक टीम भी पहुंची है। घटना की जानकारी मिलने के बाद आसपास के लोगों की भीड़ जमा हो गई।

आज का कार्टून



मेट्रो एंकर

15 साल से टिकट खरीद रहा था मोहाली के हमयुनपुर गांव का बलजिंदर

पंजाब के ट्रक ड्राइवर की लगी बंपर लॉटरी, 12 करोड़ रुपये जीते

मोहाली, एजेंसी

पंजाब के मोहाली जिले के रहने वाले ट्रक ड्राइवर की किस्मत चमक उठी है। ड्राइवर बलजिंदर सिंह ने 12 करोड़ रुपये की लौटरी जीत ली है। उन्होंने साल 2026 का पंजाब स्टेट डियर दिवाली बंपर लॉटरी का पहला पुरस्कार अपने नाम कर लिया है। जानकारी के अनुसार, बलजिंदर बीते 15 साल से लगातार हर त्योहार में लॉटरी टिकट खरीद रहे थे। आखिरकार उनका इंतजार रंग लाया। उन्हें पंजाब स्टेट डियर दिवाली बंपर लॉटरी का पहला पुरस्कार मिला है और जिसकी ईनामी राशि 12 करोड़ रुपये हैं। बलजिंदर मोहाली के डेरा बस्सी इलाके के हमयुनपुर गांव के रहने वाले हैं। इस बड़ी कामयाबी को हासिल करने के बाद ट्रक चालक ने कहा कि वह बेहद भाग्यशाली है कि लॉटरी की मदद से अमीर बनने का उसका लंबे समय से संजोया सपना आखिरकार सच हो गया है।

मुझे हमेशा से उम्मीद थी- बलजिंदर



बलजिंदर सिंह दो बच्चों के पिता हैं। उन्होंने लगातार लॉटरी टिकट खरीदने के अपने शौक के बारे में अपने परिजनों को नहीं बताया था। उन्होंने कहा कि मैं 2010 से त्योहारों पर लॉटरी खरीदता आ रहा हूं। मुझे हमेशा से उम्मीद थी कि एक दिन भगवान मेरी प्रार्थना सुनेंगे और मैं लॉटरी जीतूंगा।' बलजिंदर को मिली इस जीत की खबर फैलते ही उनके गांव में जश्न का माहौल छा गया है। स्थानीय लोग उनके घर पर पहुंच रहे हैं और उनके परिवार को बधाई दे रहे हैं और मिठाई बांट रहे हैं।

संगरूर में भी शख्स ने 1 करोड़ जीते

बता दें कि लॉटरी विभाग ने 16 नवंबर को 'पंजाब स्टेट डियर दिवाली बंपर 2026' का ड्रॉ निकाला था। इससे पहले खबर आई थी कि पंजाब के संगरूर में एक शख्स ने एक करोड़ रुपये की लॉटरी जीती थी। हालांकि, कई दिनों की तलाश के बाद भी विजेता शख्स की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। दुकानदार की ओर से अपील की गई है कि जिन लोगों ने संगरूर बस स्टैंड के पास इस लॉटरी स्टॉल से टिकट खरीदी थी, वे अपनी टिकट जरूर चेक करें। हो सकता है कि 1 करोड़ रुपये की यह टिकट उन्हीं में से किसी के हाथ में हो।

देवउठनी ग्यारस पर 20 नवंबर से ही शादियों का सीजन होगा शुरू, घरों में शुरू हो गईं शादियों की तैयारियां लेकिन महंगाई की मार से लोग परेशान

20 फीसदी तक बढ़ गया शादी का खर्च, लेकिन खुशियों में कोई कटौती नहीं

भोपाल। दोपहर मेट्रो

चार महीने के विराम के बाद देवउठनी एकादशी से एक बार फिर मांगलिक कार्यों की शुरुआत होने जा रही है। लेकिन इस बार शादियों पर महंगाई की मार नजर आ रही है। नवंबर व दिसंबर में विवाह के 10 शुभ मुहूर्त होने से शहर में पांच हजार से अधिक शादियों की तैयारियां चल रही हैं। 20 नवंबर से विवाह आयोजनों में तेजी आने की उम्मीद है। हालांकि, इस बार शादी की खुशियों पर महंगाई का साया भी है। कैटरिंग, टेंट, लाइटिंग, डेकोरेशन और खाद्य सामग्री की बढ़ती कीमतों ने शादी का बजट करीब 20 प्रतिशत तक बढ़ा दिया है। दाल, तेल, शकर और कॉमर्शियल गैस महंगी होने से खाने की थाली के दाम भी बढ़ गए हैं। ऐसे में परिवार बजट संभालने के लिए मेहमानों की संख्या कम करेंगे।


एआई

प्लेटों के दाम बढ़ने से कैटरिंग का बजट बिगड़ा

शादी समारोहों में खाने-पीने की व्यवस्था इस बार जेब पर भारी पड़ने वाली है। भोपाल टेंट लाइट कैटर्स एसोसिएशन के चेयरमैन रिंकू भटेजा के मुताबिक किराना, शकर, तेल और कॉमर्शियल गैस सिलेंडर सहित जरूरी सामग्रियों की कीमतें बढ़ी हैं। इसका सीधा असर कैटरिंग कारोबार पर पड़ा है। इस सीजन में प्लेटों के दाम करीब 20 प्रतिशत तक बढ़ाने पड़े हैं। हालांकि, विवाह सीजन को देखते हुए कैटरिंग, टेंट, लाइटिंग और डेकोरेशन कारोबारियों को अच्छे कारोबार की उम्मीद है।

मेहमानों की लिस्ट होगी छोटी, खाने के आइटम होंगे कम

महंगाई का असर अब शादी की तैयारियों में साफ नजर आने लगा है। परिवार मेहमानों की संख्या सीमित करने और खाने के आइटम कम करने की योजना बना रहे हैं। कोलार निवासी हरिओम चौरसिया का कहना है कि शादी की तैयारियां पहले से शुरू कर दी थीं, लेकिन हर चीज के दाम बढ़े हुए हैं। कैटरिंग, सजावट और दूसरी व्यवस्थाओं का खर्च अनुमान से ज्यादा हो रहा है। मेहमानों की संख्या व खाने के आइटम में कटौती करने की योजना है।

150 रुपए किलो तक पहुंच गई तुअर दाल, बेसन भी महंगा

शादी के मेन्यू पर खाद्य वस्तुओं की महंगाई का असर भी दिखने लगा है। तुअर दाल के भाव 150 रुपए प्रति किलो तक पहुंच गए हैं। चना दाल, उड़द, मूंग और हरी मूंग के दामों में भी तेजी आई है। बेसन की कीमतों में 6 से 10 रुपए प्रति किलो तक का उछाल आया है। हालांकि, शकर, आटा, मैदा और ड्राई फ्रूट्स के दामों में गिरावट से कुछ राहत मिली है। भोपाल किराना व्यापारी महासंघ के महामंत्री एवं कैट के पूर्व प्रवक्ता विवेक साहू के अनुसार दीपावली के बाद खाद्य वस्तुओं की मांग और आवक के आधार पर बाजार में कीमतों में उतार-चढ़ाव जारी है।

पारंपरिक भारतीय व्यंजनों के साथ राजस्थानी-गुजराती डिश भी

शादी वाले परिवारों ने व्यंजनों के मेन्यू में की कमी शादी समारोहों में खान-पान का ट्रेंड भी तेजी से बदला है। तीन साल पहले तक जहां शादियों में 28 से 56 व्यंजन परोसे जाते थे, वहीं अब मेन्यू में 20 से 25 तक आइटम शामिल किए जा रहे हैं। पारंपरिक भारतीय, राजस्थानी और गुजराती पकवानों के साथ इटैलियन, चाइनीज और दक्षिण भारतीय व्यंजन भी मेहमानों की पसंद बन रहे हैं। हालांकि, खाद्य सामग्री की बढ़ती कीमतों ने परिवारों को मेन्यू पर दोबारा विचार करने के लिए मजबूर कर दिया है।

लोग बोले-खुशियों में कमी नहीं, पर बजट संभालना भी मजबूरी है

गेहूंखेड़ा के रोहित श्रीवास्तव का कहना है कि शादी में मेहमानों की आवभगत और अच्छा खाना उनकी प्राथमिकता है, लेकिन बढ़ती कीमतों ने बजट बिगाड़ दिया है। पहले जितने खर्च में आयोजन की योजना बनाई थी, अब उससे ज्यादा रकम खर्च करनी पड़ रही है। नर्मदापुरम रोड स्थित श्रीराम नगर के हरिकेश वाधवानी का कहना है कि बेटी की शादी है। बारात के स्वागत में भी कोई कमी नहीं होगी, लेकिन घर का बजट तो देखना ही होगा। महंगाई से बचते हुए खुशियों का जश्न मनाना प्राथमिकता है।

न्यूज विंडो

डेफ नेशनल चैंपियनशिप में मप्र गौरांशी ने जीता ब्रॉन्ज

भोपाल। प्रदेश की मूक-बधिर बैडमिंटन खिलाड़ी गौरांशी शर्मा ने केरल के तिरुवनंतपुरम में आयोजित 28वीं नेशनल डेफ सीनियर स्पोर्ट्स चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतकर प्रदेश का गौरव बढ़ाया। 12 से 16 नवंबर तक आयोजित प्रतियोगिता में देशभर के खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। गौरांशी ने सीनियर वर्ग में प्रदर्शन करते हुए यह उपलब्धि हासिल की। गौरांशी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी प्रतिभा साबित कर चुकी हैं। उन्होंने ब्राजील डेफलिंपिक-2022 और वर्ल्ड डेफ चैंपियनशिप-2023 में टीम गोल्ड जीता था। अक्टूबर 2026 में मलेशिया में हुई एशिया पैसिफिक डेफ बैडमिंटन चैंपियनशिप में भी भारतीय टीम को जापान के खिलाफ जीत दिलाकर स्वर्ण दिलाने में अहम भूमिका निभाई।



हद है! पुलिस का वाहन चेकिंग वाला बैरिकेड ही हो गया चोरी

भोपाल। विवेकानंद गेट के पास वाहन चेकिंग के लिए रखे पुलिस के चार बैरिकेड में से एक को अज्ञात व्यक्ति चोरी कर ले गया। मेडिकल स्टोर संचालक और नगर सुरक्षा समिति के सदस्य समंदर सिंह राजपूत ने पुलिस को बताया कि वह दुकान पर थे, तभी कबाड़ी जैसा दिखने वाला एक व्यक्ति बैरिकेड खींचकर सागर गैरे की तरफ ले गया। उन्हें लगा कि शायद वह अनुमति से ले जा रहा होगा, लेकिन बैरिकेड वापस नहीं आया। इसके बाद उन्होंने थाने पहुंचकर शिकायत की।

किराये को लेकर हुआ विवाद और ऑटो चालक से की मारपीट

भोपाल। विद्या नगर में ऑटो किराये के लेनदेन को लेकर हुए विवाद में तीन लोगों ने ऑटो चालक सुधांशु उइके के साथ मारपीट कर दी। फरियादी चिनार फॉर्च्यून से विद्या नगर राइड छोड़ने पहुंचा था। किराये को लेकर बुकिंग कराने वाले व्यक्ति से बहस हो गई। इसके बाद ध्रुव, भरत सचान और आशु सहित दो-तीन लोगों ने मारपीट की। आरोपियों ने पुलिस में शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी भी दी।

रात में बदमाशों ने चाकू दिखाकर बस में घुसकर कंडक्टर को लूटा

भोपाल। बाग सेवनियां के नारायण नगर बस स्टॉप के पास बस में सवार एक कंडक्टर के साथ लूट की वारदात सामने आई है। दो बाइक पर आए चार बदमाशों में से दो बस के अंदर घुस गए। उनमें से एक बदमाश ने चाकू दिखाकर कंडक्टर के हाथ से एक हजार रुपए छीन लिए। वारदात के बाद आरोपी होशंगाबाद रोड की तरफ फरार हो गए। पुलिस का कहना है कि वारदात को कुख्यात बदमाश नसीम ब्रेकर ने अंजाम दिया है। पुलिस के मुताबिक फरियादी रोहित लोधी निवासी खजूरी कला राजपूत ट्रैवल्स की बस में कंडक्टर है। वह रात करीब 9.20 बजे वह बस से भोपाल से मंडीदीप जा रहा था। इसी दौरान बस नारायण नगर बस स्टॉप के पास पहुंची। तभी पीछे से दो बाइक पर सवार चार युवक आए और बस रुकवा ली। दो युवक बस में चढ़े। नसीम ब्रेकर ने रुपए लूट लिए।

बरकतउल्ला यूनिवर्सिटी से संबद्ध निजी बीएड कॉलेजों पर अंकुश नहीं

शिक्षा में हुआ खेल...कॉलेज हैं गायब, डिग्री हाजिर है

भोपाल। दोपहर मेट्रो

बरकतउल्ला यूनिवर्सिटी से संबद्ध बीएड और शिक्षक प्रशिक्षण कॉलेजों में चल रही शिक्षा व्यवस्था सवालों के घेरे में है। यूनिवर्सिटी से संबद्ध 125 निजी बीएड कॉलेज मानकों पर खरे नहीं उतर रहे। खामियां दूर करने के नाम पर यूनिवर्सिटी हर बार उन्हें हलफनाले के आधार पर विद्यार्थियों के प्रवेश प्रक्रिया को हरी झंडी दे रहा है। वर्तमान सत्र में यूनिवर्सिटी ने विद्यार्थियों का हवाला देकर प्रवेश प्रक्रिया को मंजूरी दी। अब सत्र खत्म होने की कगार पर है, लेकिन कॉलेजों ने अपनी व्यवस्था ही नहीं सुधारी। जानकारों का कहना है कि यूनिवर्सिटी के इस रवैये से नए सत्र में भी हालात जस के तस ही रहेंगे। यानी, जो कॉलेज जमीन पर हैं ही नहीं, वे भी डिग्री देते रहेंगे। दरअसल, यूनिवर्सिटी को जिन कॉलेजों ने हलफनामे दिए हैं, उनमें से कई कॉलेज सिर्फ खाली खेतों में दर्ज हैं। कई गायब हैं। लेकिन यूनिवर्सिटी के रिकॉर्ड में सभी कॉलेज चल रहे हैं। आलम यह है कि कहीं खाली खेतों में कॉलेज चल रहे हैं तो कहीं छोटे स्कूल परिसरों में कक्षाएं लग रही हैं। कहीं तो एक ही खसरा नंबर पर तीन-तीन संस्थान मान्यता लेकर बैठे हैं। हद यह है कि नियमानुसार ऑन-स्पॉट वेरिफिकेशन में भारी गड़बड़ियां और गायब पते मिलने के बावजूद, बरकतउल्ला यूनिवर्सिटी शिक्षा व्यवस्था सुधारने को तैयार नहीं है। शिक्षा के खेल में उच्च शिक्षा विभाग भी कम जिम्मेदार नहीं है।



खेतों में फसल, कागजों में कॉलेज

सरकारी दस्तावेजों के अनुसार विदिशा रोड पर ग्राम मुगलिया कोट से सामने श्रीराम कॉलेज खसरा-148/149/2/1 पर है। इस कॉलेज से हर साल 150 छात्र (100 बीएड और 50 बीएससी बीएड) पढ़कर निकलते हैं। लेकिन यहां श्रीराम कॉलेज नाम की कोई संस्था नहीं है। इस परिसर में तीन भवन दिखे। एक बंद,दूसरे पर मिलेनियम ग्रुप का बोर्ड और तीसरा निर्माणाधीन। इसके बाहर बगलामुखी कॉलेज का बोर्ड लगा है। श्रीराम कॉलेज के नाम पर दर्ज प्लॉट नंबर 148 सिर्फ खाली खेत है। यानी जमीन पर कोई कॉलेज, क्लासरूम, लैब या लाइब्रेरी नहीं है, लेकिन कागजों में हर साल एडमिशन, परीक्षाएं और डिग्रियां बांटने का सिलसिला 10 साल से चल रहा है। हालांकि एनसीटीई की वेबसाइट में बगलामुखी का पता प्लाट नंबर 150-1 मुगलिया कोट लिखा हुआ है। गड़बड़ियों का यह सिलसिला केवल मुगलिया कोट तक सीमित नहीं है। बावड़िया कलां में 'सेवियर कॉलेज' छोटे से स्कूल परिसर में चल रहा है। यहां मोहल्ले की एक सोसायटी का दफ्तर भी है। यहां विद्यार्थी भी रेगूलर नहीं आते।

यूनिवर्सिटी की कार्यपरिषद में सामने आया था मामला

विश्वविद्यालय के दस्तावेजों के मुताबिक, उनके अधीन 129 बीएड कॉलेज हैं। इनमें 127 निजी हैं। कार्यपरिषद के निर्देश पर जब निजी कॉलेजों का भौतिक निरीक्षण कराया गया, तो 25 कॉलेजों में बड़ी कमियां मिली थीं। 5 कॉलेजों में भारी गड़बड़ियां मिलीं। 2 कॉलेज अपने पंजीकृत पते पर ही नहीं मिले थे। 3 कॉलेज पंजीकृत पते की जगह दूसरी ही लोकेशन से चोरी-छिपे चल रहे थे। इसके बाद भी हालात सुधारने की बजाय कॉलेजों से यह लिखवाया गया कि वे सभी मानकों को पूरा करते हैं और यदि भविष्य में कमी मिली तो संबद्धता रद्द कर दी जाएगी। मामले में केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने जांच भी कराई। स्वतंत्र फैक्ट फाइंडिंग कमेटी भी गठित बनाई। इसके बाद भी हालात नहीं सुधरे।

..तो बर्बाद हो जाएगी शिक्षा

जानकार बताते हैं, बीएड कॉलेजों का नियमित संचालन होने और विद्यार्थियों का बिना नियमित पढ़ाई, प्रशिक्षण एवं प्रैक्टिकल के केवल डिग्री हासिल करना शिक्षा व्यवस्था के लिए गंभीर चिंता का विषय है। इसका दुष्प्रभाव केवल विद्यार्थियों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि आने वाली पूरी पीढ़ी की शिक्षा और भविष्य पर पड़ता है। नए शिक्षक गुणवत्ताहीन बनेंगे। इससे बच्चों बुनियादी शिक्षा प्रभावित होगी।

लोकायुक्त की रिपोर्ट के बाद सरकार की कार्रवाई

आय से ज्यादा 7.60 करोड़ के संपत्ति के मालिक बने एसीएफ संजीव शर्मा सस्पेंड

भोपाल/नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

आय से अधिक संपत्ति के मामले में लोकायुक्त की बड़ी कार्रवाई के बाद सरकार के वन विभाग ने सतपुड़ा टाइगर रिजर्व (पचमढ़ी) के सहायक वन संरक्षक (एसीएफ) संजीव शर्मा को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। लोकायुक्त भोपाल ने 14 नवंबर 2026 को संजीव कुमार शर्मा के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धाराओं में केस दर्ज कर जांच की थी। लोकायुक्त ने उनके छिंदवाड़ा स्थित घर और नर्मदापुरम में शासकीय आवास में छापेमारी कर 7.60 करोड़ रुपए की संपत्ति का खुलासा किया था। लोकायुक्त ने सरकार को तमाम जानकारी भेजी थी। लोकायुक्त की रिपोर्ट के आधार पर वन विभाग के अपर सचिव राजेश बाथम ने 17 नवंबर 2026 को निलंबन आदेश जारी किया गया। आदेश में कहा गया है, संजीव शर्मा का यह कृत्य 'मप्र सिविल सेवा (आचरण) नियम, 1965' के नियम-3 का उल्लंघन है। उन्हें सस्पेंड कर दिया। विभाग ने उन्हें निलंबन अवधि के दौरान संजीव कुमार शर्मा का मुख्यालय प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख कार्यालय, भोपाल में अटैच किया है।



आय से 560 फीसदी तक ज्यादा मिली थी संपत्ति

सतपुड़ा टाइगर रिजर्व में पदस्थ एसडीओ संजीव शर्मा यहां छापेमारी के दौरान प्रारंभिक जांच और तलाशी अभियान में लगभग 7.60 करोड़ रुपए की चल-अचल संपत्ति का पता चला था। यह उनकी ज्ञात वैध आय से लगभग 560 प्रतिशत अधिक था। उनके पास से तीन करोड़ का सोना और 26 लाख रुपए नकद और डेढ़ किलो से ज्यादा चांदी भी मिली है। इतना ही नहीं, नर्मदापुरम की विशेष अदालत से जारी सर्च वारंट पर की गई जांच के दौरान शर्मा के पचमढ़ी स्थित सरकारी आवास से मटकुली स्थित इकोटेल होटल एंड रिसार्ट के दस्तावेज मिले थे। इसे 2016-17 में खरीदा गया था। इसकी अनुमानित कीमत दो करोड़ रुपए है। पचमढ़ी के सेरेनिटी द विला होटल के दस्तावेज भी मिले हैं। इसे 2014 में खरीदा गया था। इसकी अनुमानित कीमत 1 करोड़ रुपए है। जमीन खरीदने से जुड़े 28 दस्तावेज भी मिले हैं।

स्टेडियम के बाहर 'नो-पार्किंग' जोन में खड़े हो रहे वाहन, लेकिन जिम्मेदार हैं कि कार्रवाई ही नहीं करते

स्मार्ट सिटी रोड' पर अनस्मार्ट पार्किंग.. नियमों की उड़ रहीं धज्जियां

भोपाल। दोपहर मेट्रो

राजधानी की 'स्मार्ट सिटी रोड' पर स्थित स्टेडियम के बाहर यातायात नियमों की खुलेआम धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। 'नो-पार्किंग' जोन होने के बावजूद बड़ी संख्या में वाहन खड़े किए जा रहे हैं, लेकिन जिम्मेदार कोई प्रभावी कार्रवाई करने में विफल रहे हैं। मौके पर 'नो-पार्किंग' के संकेतक बोर्ड लगे होने के बाद भी वाहन चालक बिना बेखौफ गाड़ियां पार्क कर रहे हैं। सड़क किनारे बेतरतीब खड़े इन वाहनों के कारण यातायात बाधित हो रहा है और अक्सर जाम की स्थिति बन रही है। इससे स्टेडियम आने वाले लोगों के साथ-साथ इस मार्ग से गुजरने वाले अन्य वाहन चालकों को भी असुविधा हो रही है। बता दें, इस सड़क को 'स्मार्ट सिटी' परियोजना के तहत बनाया गया, फिर भी यहां यातायात नियमों का पालन नहीं करा पा रहे हैं।



तलैया थाना क्षेत्र का मामला, पुलिस ने दर्ज किया केस

20 लाख रुपए का लालच देकर महिला से ठग लिए सोने के जेवर

भोपाल। दोपहर मेट्रो

तलैया थाना क्षेत्र में दो अज्ञात युवकों ने एक महिला को 20 लाख रुपए का लालच देकर उसके सोने के जेवर ठग लिए। आरोपियों ने महिला को नोटों के बंडल दिखाए और बदले में सोने के टॉप्स, चूड़ियां और चेन ले ली। घर पहुंचकर महिला ने बैग खोला तो नोटों की जगह कागज के बंडल और जेवरों की जगह पत्थर व तांबे का तार मिला। पीरगेट कुम्हारपुरा निवासी 52 वर्षीय सरोज विश्वकर्मा आंगनबाड़ी में काम करती हैं। सुबह 8.45 बजे वह कर्फ्यू वाली माता मंदिर में दर्शन कर घर लौट रही थीं, तभी रास्ते में दो युवकों ने उन्हें नोटों के बंडल दिखाने लगे। युवकों ने महिला को लालच दिया कि वह अपने सोने के जेवर उन्हें दे दें, बदले में बैग में रखे लाखों रुपए उनके हो जाएंगे। महिला ने अपने सोने के कान के टॉप्स, हाथों की चूड़ियां और सोने की चेन दे दी। आरोपियों ने महिला को एक बैग दिया, कहा-बैग में 20 लाख रुपए और उसके जेवर रखे हैं। घर पहुंची तो बैग में कागज के बंडल मिले।

मेट्रो एंकर | **आईसीएआर-निशाद ने तैयार किया टीका, 20 को शिवराज करेंगे लॉन्च**

बर्ड फ्लू के वायरस एच5एन1 से मुर्गियों को बचाने अपने वैज्ञानिकों ने बनाया पहला स्वदेशी टीका, पोल्ट्री उद्योग को मिलेगी संजीवनी

भोपाल। दोपहर मेट्रो

बर्ड फ्लू के खतरनाक वायरस एच5एन1 से मुर्गियों और पोल्ट्री उद्योग को बचाने के लिए भोपाल के वैज्ञानिकों ने देश का पहला स्वदेशी टीका विकसित किया है। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के राष्ट्रीय उच्च सुरक्षा पशु रोग संस्थान (आईसीएआर-निशाद) ने यह टीका वायरस के क्लेड 2.3.2.1ए के खिलाफ तैयार किया है। इसकी एक खुराक से मुर्गियों को छह महीने तक सुरक्षा मिलेगी। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान 20 नवंबर को भोपाल स्थित संस्थान परिसर में इसे लॉन्च करेंगे।



अब मुर्गियों को मारने की जरूरत नहीं पड़ेगी

यह निष्क्रिय टीका है। टीके के परीक्षणों में अंडा देने वाली व प्रजनन के लिए पाली जाने वाली मुर्गियों में अच्छे परिणाम मिले हैं। इसका इस्तेमाल पोल्ट्री फार्मों में लेयर्स और ब्रीडर्स मुर्गियों के टीकाकरण के लिए किया जाएगा। अब तक भारत में इस वायरस स्ट्रेन के खिलाफ व्यावसायिक उपयोग के लिए स्वदेशी टीका उपलब्ध नहीं था। वायरस मुर्गियों के लिए बेहद घातक है। इसके संक्रमण से किसी पोल्ट्री फार्म में करीब 100% तक मुर्गियों की मौत हो सकती है। बीमारी फैलने पर संक्रमण रोकने के लिए प्रभावित क्षेत्र में बड़ी संख्या में मुर्गियों को मारना पड़ता है। इससे पोल्ट्री कारोबारियों और किसानों को भारी आर्थिक नुकसान होता है।

इंसानों में भी संक्रमण का खतरा होगा कम

इस टीके का सबसे ज्यादा फायदा लेयर्स और ब्रीडर्स मुर्गियों को होगा। लेयर्स का इस्तेमाल अंडा उत्पादन और ब्रीडर्स का इस्तेमाल प्रजनन में होता है। इनका जीवनकाल ब्रॉयलर मुर्गियों से ज्यादा होता है। इसलिए इन्हें लंबे समय तक संक्रमण से बचाना जरूरी है। 6 माह तक सुरक्षा मिलने से बार-बार टीकाकरण की जरूरत भी कम होगी। एच5एन1 वायरस इंसानों को भी संक्रमित कर सकता है। संक्रमित पक्षियों के संपर्क में आने से मनुष्यों में संक्रमण फैलने का खतरा रहता है। इससे तेज बुखार, सांस लेने में परेशानी व निमोनिया हो सकता है।

2003 में 479 लोगों की मौत हो चुकी

विश्व स्वास्थ्य संगठन के आंकड़े बताते हैं, 2003 से अब तक दुनियाभर में इंसानों में एच5एन1 संक्रमण के 1,003 मामले आए हैं। इनमें 479 लोगों की मौत हुई है। मुर्गियों में संक्रमण रोकने से वायरस के प्रसार का खतरा कम करने में मदद मिल सकती है। भारत में 2006 में पहली बार बर्ड फ्लू का प्रकोप सामने आया था। इसके बाद देश में 500 से ज्यादा बार संक्रमण के मामले दर्ज किए गए। शुरुआती प्रकोप के दौरान ही पोल्ट्री उद्योग को 2,200 से 3,000 करोड़ रुपए के नुकसान का अनुमान था।

विदिशा से भोपाल आ रहा था वाहन

टोल पर रोकी पिकअप तो 9 गोवंश मिले; एक मृत, 3 आरोपी गिरफ्तार

भोपाल। दोपहर मेट्रो

विदिशा से भोपाल की ओर आ रहे एक पिकअप वाहन में अवैध रूप से गोवंश ले जाने का मामला सामने आया है। बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने गोवंश तस्करी की सूचना पुलिस को दी और पुलिस के साथ मिलकर सूखी सेवनिया टोल टैक्स के पास पिकअप को रोका। वाहन की तलाशी और गोवंश को बाहर निकालने की पूरी कार्रवाई की गई। पिकअप में 9 गोवंश मिले। इनमें 8 जीवित और एक मृत था। पुलिस ने 3 आरोपियों को दबोचा है। कार्रवाई कल देर रात की गई। एफआईआर के मुताबिक रात में बजरंग दल कार्यकर्ताओं को सूचना मिली थी। कार्यकर्ताओं ने पुलिस को सूचना दी। कार्यकर्ता पुलिस टीम के साथ विदिशा रोड स्थित सूखी सेवनिया टोल टैक्स के पास पहुंचे।



आरोपियों के खिलाफ एफआईआर, जांच शुरू

पुलिस ने पिकअप चालक लकी राठौर पिता दिनेश राठौर उम्र 18 वर्ष निवासी ग्राम धर्मपुरी थाना सांवेर, जिला इंदौर सहित रामवीर मीना उम्र 26 वर्ष निवासी भटमड़ा और शीतांशु ठाकुर व अजब सिंह ठाकुर, दोनों उम्र 21 वर्ष, को पकड़ा है। उनके खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू की है।



स्वच्छता मित्रों का हुआ सम्मान

भोपाल। स्वच्छता के क्षेत्र में मध्यप्रदेश ने एक बार फिर देश में अपनी मजबूत पहचान बनाई है। स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 में उज्जैन ने 3 से 10 लाख आबादी वाले शहरों की श्रेणी में देश में पहला स्थान हासिल किया है। इस उपलब्धि से उत्साहित मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उज्जैन के सभी 54 वार्डों में कार्यरत 3 हजार स्वच्छता मित्रों को पांच-पांच हजार रुपये नकद पुरस्कार देने की घोषणा की। इस तरह सफाई मित्रों को कुल डेढ़ करोड़ रुपये की प्रोत्साहन राशि मिलेगी। मंगलवार को उज्जैन के गीता भवन में आयोजित स्वच्छता मित्र सम्मेलन में मुख्यमंत्री ने सफाई कर्मियों को मंच से सम्मानित किया।

शीतकालीन सत्र में पेश नहीं होगा विधेयक

प्रदेश में अवैध कॉलोनी काटने पर 10 साल की जेल का प्रस्ताव अटका



भोपाल, दोपहर मेट्रो

प्रदेश में अवैध कालोनियां बनने से रोकने के लिए तैयार किया गया एकीकृत कालोनी विकास अधिनियम विधेयक सात दिसंबर से प्रारंभ होने वाले विधानसभा के शीतकालीन सत्र में प्रस्तुत नहीं होगा। मुख्य सचिव की अध्यक्षता वाली वरिष्ठ सचिव समिति के समक्ष इसका प्रारूप प्रस्तुत किया गया था लेकिन इसे सुधार के लिए लौटा दिया गया। इसमें शहरी और ग्रामीण क्षेत्र में एक समान कालोनाइजर एक्ट लाए जाने के नियम बनाने के साथ ही अवैध कालोनी काटने पर 10 साल की जेल और दो करोड़ रुपये जुर्माना लगाने का प्राविधान प्रस्तावित है।

अधिकारियों की आपत्तियों के कारण अटका विधेयक- बता दें, पहले इसे इसी वर्ष अप्रैल में लागू करने की बात की जा रही थी। इसके बाद जून में फिर कुछ नए नियम जोड़ने की बात कहकर इसे लागू नहीं किया जा सका। इसके कई प्राविधानों पर मंत्री व प्रमुख सचिव स्तर के अधिकारियों ने आपत्ति जताई है। विभाग के अनुसार, प्रदेश में करीब 4,500 से अधिक कालोनियां अवैध श्रेणी में हैं। इस वर्ष 10 माह में अकेले भोपाल शहर के ग्रामीण क्षेत्रों में 50 से ज्यादा अवैध कालोनियां काट दी गईं, जबकि इंदौर में भी 20 अवैध कालोनियां काटने की शिकायत हुई है।

कलेक्टर होंगे सीधे जिम्मेदार, बढ़ेगा जुर्माना

प्रस्तावित प्रारूप में कालोनी विकास के लिए शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के लिए अलग-अलग लाइसेंस लेने की जरूरत नहीं होगी। एक बार लाइसेंस लेने के बाद कालोनाइजर पूरे प्रदेश में कहीं भी प्रोजेक्ट शुरू कर सकेंगे। राज्य स्तरीय समिति बनेगी जिसमें पंचायत और नगरीय विकास दोनों विभागों के अधिकारी शामिल होंगे। जवाबदेही तय करने के लिए सख्त प्राविधान किए गए हैं। किसी भी जिले में अवैध कालोनी विकसित होने पर सीधे तौर पर कलेक्टर जिम्मेदार माने जाएंगे। सक्षम प्राधिकारी के रूप में कलेक्टर ही अंतिम निर्णय लेंगे, हालांकि वे अनुभाग स्तर पर एसडीएम को जिम्मेदारी सौंप सकेंगे।

डेवलपर्स ने भी दिए हैं नियमों में सुधार के सुझाव

प्रयास यही रहेगा कि अवैध कालोनियां बने ही नहीं और यदि कहीं बन गईं तो उसके लिए ऐसे कड़े प्राविधान रहें कि आगे फिर कभी ऐसा न हो। इसके लिए डेवलपर का लाइसेंस तो रद किया जाएगा, संबंधित क्षेत्र के जिम्मेदार अधिकारियों पर भी कार्रवाई होगी। नियम के प्रारूप में जो कमियां हैं, उनमें सुधार के सुझाव डेवलपर्स ने भी दिए हैं।

नगरीय निकायों में खरीदी घोटाले की जांच

5 सदस्यीय समिति गठित 15 दिन में देनी होगी रिपोर्ट

भोपाल, दोपहर मेट्रो

प्रदेश के नगरीय निकायों द्वारा जेम पोर्टल से सामग्री खरीद घोटाले की जांच के लिए नगरीय विकास एवं आवास विभाग ने जांच समिति गठित कर दी है। समिति निकायों में जेम पोर्टल और ई-नगर पालिका पोर्टल के जरिये हुई खरीदी में वित्तीय अनियमितताओं की जांच करेगी। समिति 15 दिन में जांच रिपोर्ट शासन को देगी। समिति एक जनवरी, 2024 से 30 सितंबर, 2026 तक प्रदेश के समस्त नगर निगमों, नगर पालिकाओं और नगर परिषदों में अनियमितताओं की वास्तविकता, कार्यप्रणाली एवं इसमें अपनाए गए तरीकों के विवरण का बारीकी से अध्ययन करेगी।

संबंधित अधिकारियों, ठेकेदारों एवं अन्य व्यक्तियों की भूमिका, संभावित मिलीभगत तथा उत्तरदायित्व निर्धारण करेगी। शासकीय धन की क्षति का आकलन और नियमानुसार वसूली एवं दंडात्मक कार्रवाई की अनुशंसा भी करेगी। इसके अलावा समिति को अन्य नगरीय निकायों में समान प्रवृत्ति की अनियमितताओं की संभावना के परीक्षण का दायित्व भी सौंपा गया है। भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो और प्रभावी निगरानी व संस्थागत सुधारों की अनुशंसा भी समिति करेगी।



पांच सदस्यीय समिति में ये अधिकारी शामिल

पांच सदस्यीय जांच समिति में संचालनालय नगरीय प्रशासन एवं विकास के अपर आयुक्त अक्षय तेमग्रवाल, प्रमुख अभियंता प्रदीप एस. मिश्रा, उप संचालक सौरभ तिवारी, लेखा अधिकारी सिद्धांत अवस्थी और समस्त संबंधित आयुक्त, नगर निगम, संभागीय संयुक्त संचालकों को शामिल किया गया है। प्रदेश के 374 नगरीय निकायों में विशेष रूप से चिह्नित 61 निकायों, जिनमें 22 नगर पालिकाएं और 39 नगर परिषदें में हुई लगभग 1,134 करोड़ रुपये की सामग्री खरीद की जांच शुरू कर दी गई है। मामले में सीएमओ (मुख्य नगर पालिका अधिकारी), खरीद समितियां, इंजीनियरों और लेखा अधिकारियों की भूमिका की भी जांच होगी। अनियमितता पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों से राशि की वसूली और सेवा से बर्खास्त करने की कार्रवाई की जाएगी।

फार्मासिस्ट से आशा कार्यकर्ताओं तक, मांगों पर गंभीर सरकार

भोपाल। स्वास्थ्य विभाग के संविदा, नियमित और दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों की लंबित मांगों को लेकर भारतीय मजदूर संघ ने सरकार के सामने मांगों का विस्तृत खाका रखा है। फार्मासिस्ट का ग्रेड-पे बढ़ाने, एनएचएम कर्मचारियों के नियमितीकरण, संविदा कर्मियों को वेतनमान और सामाजिक सुरक्षा का लाभ देने से लेकर आशा कार्यकर्ताओं का मानदेय बढ़ाने तक कई मुद्दे उठाए गए। मंत्रालय में उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल के साथ हुई बैठक में संघ के पदाधिकारियों ने इन मांगों पर जल्द निर्णय लेने का आग्रह किया। उप मुख्यमंत्री ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को मांगों पर गंभीरता से विचार कर नियमानुसार यथासंभव समाधान करने के निर्देश दिए। बैठक में अपर मुख्य सचिव रश्मि अरुण शमी, आयुक्त धनराजू एस, मिशन संचालक संस्कृति जैन सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक के बाद संघ के पदाधिकारियों ने उप मुख्यमंत्री का आभार जताया। संघ ने फार्मेसी कार्उंसिल ऑफ इंडिया की ओर से जारी राजपत्र के प्रावधानों को प्रदेश में लागू करने की मांग की। इसके साथ फार्मासिस्ट का ग्रेड-पे 2800 रुपये करने, उप स्वास्थ्य केंद्रों में फार्मासिस्ट के पद स्वीकृत कर भर्ती शुरू करने और भर्ती की योग्यता में गणित विषय के अभ्यर्थियों को शामिल करने के लिए नियमों में संशोधन का प्रस्ताव रखा।

पुरातत्व विभाग ने गठित की विशेषज्ञों की टीम

रायसेन में मिले 6.5 करोड़ साल पुराने जीवाश्म का खुलेगा राज

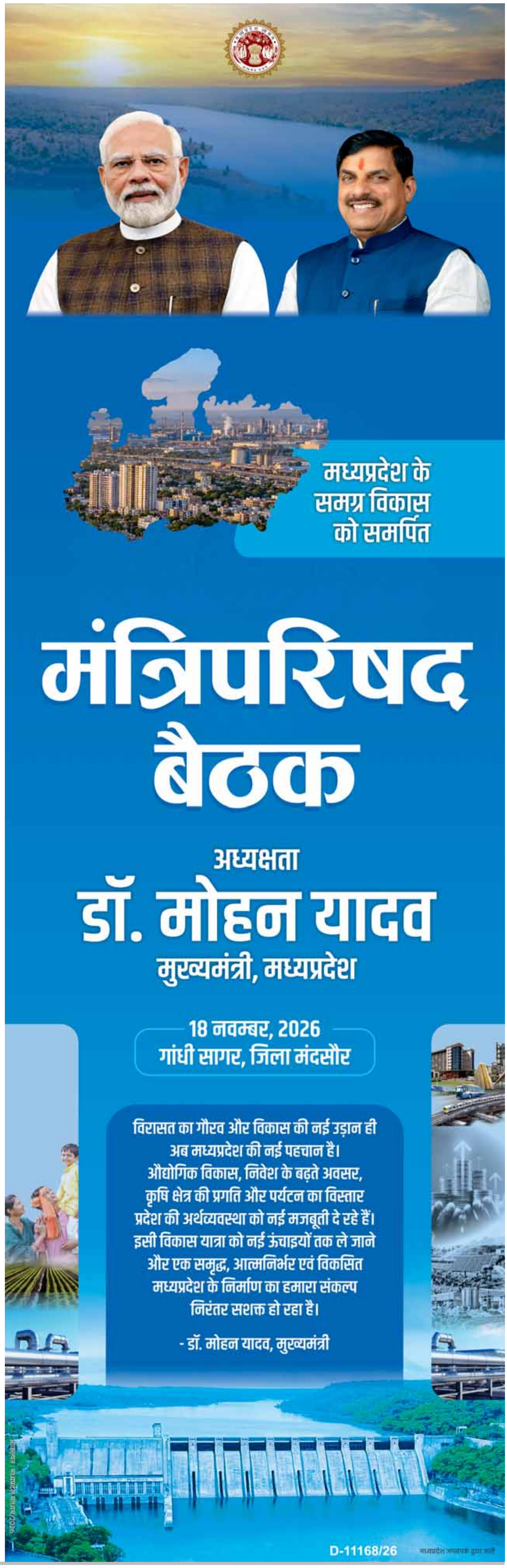
रायसेन, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश में रायसेन जिले की देवरी तहसील के पतई गांव में नर्मदा नदी किनारे पिछले सप्ताह मिले करीब 6.5 करोड़ साल पुराने दांत और जबड़े की आकृति वाले जीवाश्म के अध्ययन के लिए मध्य प्रदेश पुरातत्व विभाग ने विशेषज्ञों की एक टीम गठित की है। इसमें एंथ्रोपोलाजिस्ट (मानव विज्ञानी), जंतु विज्ञानी सहित अन्य विषयों के विशेषज्ञ शामिल किए गए हैं। टीम जीवाश्म का परीक्षण करने के साथ ही आसपास के क्षेत्र का भी सर्वे करेगी, ताकि पता लग सके कि यह जबड़ा किस जीव का है और इस क्षेत्र में प्रागैतिहासिक काल से जुड़े अन्य अवशेष भी मौजूद हैं या नहीं।



वैज्ञानिक आधार पर होगा जीवाश्म की प्राचीनता का परीक्षण

पुरातत्व विभाग की टीम जीवाश्म के वैज्ञानिक आधार पर उसकी प्रकृति, संरचना और उसकी प्राचीनता का परीक्षण करेगी। इससे यह स्पष्ट हो सकेगा कि यह अवशेष वास्तव में किस जीव से संबंधित है और इसकी उम्र कितनी है। नर्मदा नदी के आसपास के क्षेत्रों में पहले भी जीवाश्म मिलते रहे हैं। इससे पहले जियोलाजिकल सर्वे आफ इंडिया (जीएसआइ) की टीम भी इसके परीक्षण के लिए गई थी। अब जीएसआइ भी इस पर विस्तृत अध्ययन करेगा। फिलहाल जिस स्थान पर यह दांत मिला है, वहां पुलिस ने बैरिकेडिंग कर दी है, ताकि लोग वहां पहुंचकर खोदाई या छेड़छाड़ न कर सकें।



बात केवल यमन की नहीं...

जिस रफ्तार के साथ हूती विद्रोही यमन पर कब्जा करते जा रहे हैं, वह दिन दूर नहीं जब पूरे यमन पर हूतियों का राज हो जाए। यमन की राजधानी सना और अधिकांश उत्तर-पश्चिमी हिस्सों पर तो पूरा हूतियों का नियंत्रण है ही, अब देश की अंतरिम राजधानी अदन की रक्षा के लिए सैनिकों को बाब अल-मंदेब स्ट्रेट से हटा लिया गया है ताकि वे अदन पर ज्यादा ध्यान केंद्रित कर सकें। बाब अल-मंदेब स्टेट से पीछे हटना यमन की सेना और उसका समर्थन करने वाले सऊदी अरब के लिए बहुत बड़ी शर्मिंदगी का विषय तो है ही, रणनीतिक रूप से भी गंभीर कदम है क्योंकि इस इलाके पर हूतियों ने कब्जा कर लिया है। इसकी गंभीरता को इसी बात से समझा जा सकता है कि बाब अल-मंदेब नाम का यह संकरा समुद्री रास्ता लाल सागर को हिंद महासागर से जोड़ता है। दुनिया का करीब 10 प्रतिशत कच्चा तेल इसी रास्ते से गुजरता है और न्यूनतम 15 से लेकर अधिकतम 25 प्रतिशत समुद्री व्यापार भी इसी रास्ते से होता है। हूतियों के कब्जे का मतलब है इस क्षेत्र पर ईरान का नियंत्रण होना क्योंकि हूती को ईरान ने पैदा किया है। ऐसे में ईरान जिस देश के जहाज को निशाना बनाना चाहेगा, हूतियों को बस एक संदेश देने भर की देर होगी ! हालांकि अभी पूरे यमन पर हूतियों का कब्जा नहीं हुआ है मगर ऐसा हो गया तो स्थिति बहुत विस्फोटक होगी। यदि यह रास्ता पूरी तरह बंद हो जाता है तो जहाजों को लाल सागर के बजाय अफ्रीका का चक्कर लगाकर लंबा रास्ता तय करना पड़ेगा। जाहिर सी बात है कि इससे माल ढुलाई और बीमा का खर्च कई गुना बढ़ जाएगा। निश्चय ही भारत भी बुरी तरह प्रभावित होगा। कच्चे तेल और यूरोप के साथ होने वाले व्यापार के लिए भारत लाल सागर के रास्ते पर काफी हद तक निर्भर है। इस इलाके में अस्थिरता से भारत के आयात-निर्यात की लागत बढ़ने का खतरा बढ़ जाएगा। जाहिर सी बात है कि इसका सीधा असर घरेलू बाजार में महंगाई पर पड़ेगा। यमन के पूरी तरह से हूतियों के नियंत्रण में आने का मतलब है कि सऊदी अरब की दक्षिणी सीमा पर ईरान जैसा चाहेगा, वैसी मर्जी चलाएगा। यहां से सऊदी के तेल ठिकानों और शहरों पर मिसाइल व ड्रोन हमला करना ईरान के लिए आसान हो जाएगा। इतना ही नहीं, ईरान यह भी कहेगा कि हमने हमला किया नहीं, ये तो हूती विद्रोही हमला कर रहे हैं। यानी कूटनीतिक रूप से ईरान को बचाव का एक रास्ता भी मिल जाएगा। मौजूदा स्थिति में बाब अल-मंदेब पर हूतियों का कब्जा होने से मध्य पूर्व के प्रमुख समुद्री रास्तों पर ईरान और उसके सहयोगियों की पकड़ मजबूत हो गई है। ईरान की पूरी कोशिश है कि हूतियों के माध्यम से यमन उसके कब्जे में आ जाए। क्षेत्रफल की दृष्टि से देखें तो यमन के एक तिहाई हिस्से पर हूती विद्रोहियों का कब्जा हो चुका है। कहने को यमन की अंतरराष्ट्रीय मान्यता प्राप्त सरकार का करीब दो-तिहाई हिस्से पर नियंत्रण है लेकिन जो एक-तिहाई हिस्सा हूतियों के पास है, वहां कुल आबादी का करीब सत्तर प्रतिशत हिस्सा है जबकि यमन की सरकार का जिस इलाके में नियंत्रण है वहां केवल तीस प्रतिशत आबादी रहती है। राजधानी सना से नियंत्रण खत्म होने के बाद अदन को अस्थाई राजधानी बनाया गया था मगर हूतियों का हमला वहां भी हो रहा है। इसके अलावा हूतियों की कोशिश है कि मारिब और हाडरामौत जैसे तेल समृद्ध प्रांत उसके कब्जे में आ जाएं। यदि ऐसा हुआ तो फिर ईरान का ऐसा बोलबाला हो जाएगा कि उसे रोकने के लिए सऊदी अरब और उसके साथियों को नाकों चने चबाना होगा। अभी भी सऊदी सरकार हूतियों को रोकने के लिए यमन की सेना का हर तरह से समर्थन कर रही है लेकिन हूतियों की सेहत पर इसका कोई असर नहीं पड़ा है। सऊदी को उम्मीद थी कि उसके तथाकथित रक्षक अमेरिका और जिन देशों तुर्की और पाकिस्तान के साथ उसने डिफेंस डील की है, उनकी मदद मिलेगी लेकिन सब ने दगा दे दिया है। सऊदी अरब खुद संकट में है। तो एक सवाल इस वक्त सबके जेहन में है कि क्या मध्य पूर्व की राजनीति आने वाले वर्षों में पूरी तरह से बदल जाएगी? इस सवाल का जवाब केवल वक्त ही दे सकता है।

हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम 1956 की धारा 8 पर सुप्रीम कोर्ट का ऐतिहासिक फैसला

किशन सनमुखदास भावनानीं
स्तंभकार



वैदिक स्तरपर भारत की सभ्यता और पारिवारिक संस्कृति में संयुक्त परिवार व्यवस्था का सदियों से विशेष स्थान रहा है। दादा परिवार के मुखिया,पिता परिवार की जिम्मेदारियों के वाहक और पोती-पोते परिवार की भावी पीढ़ी के प्रतीक माने जाते रहे हैं।संयुक्त परिवार में संपत्ति केवल आर्थिक संसाधन नहीं,बल्कि पीढ़ियों की विरासत,पारिवारिक सम्मान और आपसी विश्वास का प्रतीक भी रही है। लेकिन बदलते सामाजिक परिवेश, डिजिटल युग की नई पीढ़ी की स्वतंत्र सोच,पारिवारिक हस्तक्षेप, संपत्ति के बढ़ते बाजार मूल्य और आपसी मतभेदों के कारण संयुक्त परिवारों में संपत्ति विवाद लगातार कानूनी चुनौती बनते जा रहे हैं।अनेक विवाद निचली अदालतों से होते हुए उच्च न्यायालयों और अंततः सर्वोच्च न्यायालय तक पहुंच रहे हैं। इसी महत्वपूर्ण कानूनी परिप्रेक्ष्य में मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र बताना चाहूंगाकि 6 नवंबर 2026 को भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने एक ऐसा फैसला सुनाया है,जिसने दादा से पिता को विरासत में मिली संपत्ति पर पोते के जन्मसिद्ध अधिकार के सवाल को नई कानूनी स्पष्टता प्रदान की है।अदालत ने स्पष्ट किया कि हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम, 1956 की धारा 8 के अंतर्गत पिता को प्राप्त संपत्ति केवल इस कारण संयुक्त हिंदू परिवार की पैतृक संपत्ति नहीं बन जाती कि वह उसके पिता अर्थात पोते के दादा से विरासत में मिली है।इस फैसले का महत्व इसलिए भी अधिक है क्योंकि यह परिवारों में संपत्ति के स्वामित्व, उत्तराधिकार और सहदायिकी अधिकारों के बीच अंतर को समझने का अवसर देता है।इस ऐतिहासिक निर्णय का नाम है जे .राजेश (माइनॉर) थ्रू हिज मदर एंड नेचुरल गार्डियन जे.गोमाथी वर्सेज. एम.कुमारण(डेड) थ्रू एलआर एस एंड ऑदर्स .न्यूट्रल साइटेशनः2026आइएनएससी 1208 अपील संख्याः सिविल अपील नों. 7020 of 2012 पीठःन्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह एवं न्यायमूर्ति सुनीता अग्रवाल, निर्णय लिखने वाली न्यायाधीश न्यायमूर्ति सुनीता अग्रवाल परिणाम : अपील खारिज,मद्रास हाईकोर्ट का निर्णय बरकरार।यह निर्णय केवल किसी एक परिवार के संपत्ति विवाद का निपटारा नहीं है,बल्कि हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम की धारा 8 के अंतर्गत विरासत में मिली संपत्ति और पारंपरिक सहदायिकी संपत्ति के बीच अंतर को पुनः स्थापित करता है। इस मामले में अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि केवल संपत्ति का मूल स्रोत दादा होना, उसे पोते के लिए स्वतः जन्मसिद्ध अधिकार वाली संपत्ति नहीं बना देता। सुप्रीम कोर्ट ने सभी प्रकार की पैतृक संपत्ति में पोते का अधिकार समाप्त नहीं किया है। निर्णय का वास्तविक केंद्र धारा 8 के अंतर्गत प्राप्त व्यक्तिगत विरासत और संयुक्त सहदायिकी संपत्ति के बीच कानूनी अंतर है। साथियों बात अगर हम हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम 1956 की धारा 8 का असली अर्थ क्या है? इसको समझने की करें तो,इस फैसले की सबसे महत्वपूर्ण कानूनी धुरी हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम, 1956 की धारा 8 है। यह धारा उस स्थिति में लागू होती है जब किसी हिंदू पुरुष की मृत्यु बिना वसीयत किए हो जाती है। ऐसी स्थिति में उसकी संपत्ति कानून में निर्धारित उत्तराधिकारियों के क्रम के अनुसार हस्तांतरित होती है। इसमें प्रथम श्रेणी अर्थात क्लास-I के उत्तराधिकारियों में पुत्र, पुत्री, विधवा और माता सहित अन्य निर्धारित उत्तराधिकारी शामिल हैं।यहां एक महत्वपूर्ण कानूनी अंतर समझना आवश्यक है। यदि मृतक का पुत्र जीवित है तो उसका पुत्र अर्थात पोता केवल इस रिश्ते के आधार पर क्लास-I का प्रत्यक्ष उत्तराधिकारी नहीं बन जाता। लेकिन यदि पुत्र की मृत्यु पिता अर्थात दादा से पहले हो चुकी है, तो पूर्वमृत पुत्र का



बेटा निर्धारित उत्तराधिकार के अंतर्गत हिस्सा प्राप्त कर सकता है।सर्वोच्च न्यायालय ने इसी अंतर को रेखांकित किया। अदालत के अनुसार, जब दादा की संपत्ति धारा 8 के अंतर्गत उसके क्लास-I उत्तराधिकारियों को मिल जाती है,तो प्रत्येक उत्तराधिकारी अपने हिस्से का स्वतंत्र मालिक बनता है। धारा 19 के अनुसार ऐसे उत्तराधिकारी सामान्यतः हिस्सेदार के रूप में संपत्ति प्राप्त करते हैं, न कि एक निरंतर संयुक्त सहदायिकी के रूप में।इसलिए पिता को मिला हिस्सा केवल इस आधार पर संयुक्त हिंदू परिवार की संपत्ति नहीं बन जाता कि उसका मूल स्रोत दादा की संपत्ति थी। पिता को अपने हिस्से पर स्वतंत्र स्वामित्व प्राप्त होता है। साथियों बात अगर हम वर्ष 1986 का ऐतिहासिक फैसला इस मुकदमे में क्यों बना सबसे बड़ा आधार? को समझने की करें तो, इस पूरे विवाद को समझने के लिए वर्ष 1986 का एक महत्वपूर्ण निर्णय जानना आवश्यक है। वह है कमिश्नर ऑफ़ वेल्थ टैक्स,कानपुर बनाम चन्दर सेंन,(1986) 3 एससीसी 567। इस फैसले में सर्वोच्च न्यायालय ने यह कानूनी सिद्धांत स्थापित किया था कि हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम की धारा 8 के तहत पिता से विरासत में मिली संपत्ति पुत्र को उसकी व्यक्तिगत हैसियत में प्राप्त होती है, न कि अनिवार्य रूप से उसके अपने हिंदू अविभाजित परिवार के कर्ता के रूप में। इसका अर्थ यह है कि पारंपरिक हिंदू कानून में जन्म से सहदायिकी अधिकार की जो अवधारणा थी, उसे धारा 8 के तहत उत्तराधिकार से प्राप्त प्रत्येक संपत्ति पर स्वतः लागू नहीं किया जा सकता।इसके बाद युधिशटर बनाम अशोक कुमार ,(1987) 1 एससीसी 204 में भी चंदर सेन के सिद्धांत को स्वीकार किया गया।

साथियों बात अगर हम चेन्नई की 1,811 वर्ग फुट संपत्ति का विवाद आखिर शुरू कैसे हुआ? इसको समझने की करें तो,इस मुकदमे की जड़ तमिलनाडु के चेन्नई में स्थित 1,811 वर्ग फुट जमीन थी, जो मूल रूप से स्वर्गीय एन. रामकृष्णन की संपत्ति थी। उनके परिवार में संपत्ति के बंटवारे को लेकर उनकी बेटी जी.ललिता ने वर्ष 1993 में चेन्नई की अदालत में मुकदमा दायर किया था। यह मुकदमा सी.एस .ह्श.1728 ऑफ़1993 के नाम से दर्ज हुआ।बाद में 3 फरवरी 1994 को समझौते के आधार पर डिक्री पारित हुई, जिसके अंतर्गत रामकृष्णन के बेटे अर्थात विवादित मामले में प्रतिवादी के पिता को 1,811 वर्ग फुट जमीन प्राप्त हुई।इसी बीच 6 जनवरी 1994 को जे. राजेश का जन्म हुआ। अर्थात वह समझौता डिक्री पारित होने से लगभग चार सप्ताह पहले जन्म ले चुका था।राजेश की ओर से यह दलील दी गई कि चूंकि संपत्ति उसके दादा की पैतृक संपत्ति थी और उसका जन्म बंटवारे की डिक्री से पहले हो चुका था, इसलिए उसे भी उसमें जन्म से आधा हिस्सा प्राप्त था।लेकिन कहानी में एक महत्वपूर्ण तथ्य यह था कि दादा की मृत्यु के बाद उत्तराधिकार पहले ही खुल चुका था और वर्ष 1993 में संपत्ति के बंटवारे की कार्यवाही शुरू हो गई थी। अदालत ने स्पष्ट किया कि दादा की मृत्यु की सटीक तारीख निर्णय में उपलब्ध नहीं थी, लेकिन उत्तराधिकार राजेश के जन्म से पहले खुल चुका था।इसके बाद राजेश के पिता ने 3 अप्रैल 1997 और 17 अप्रैल 1997 को दो अलग-अलग बिक्री विलेखों के माध्यम से यह जमीन खरीदारों को बेच दी। राजेश ने अपनी मां एवं प्राकृतिक अभिभावक जे. गोमती के माध्यम से वर्ष 1997 में ओरिजिनल सूट नों.1698 श्द्ध 1997 दायर करके संपत्ति में आधे हिस्से और कब्जे की मांग की। निचली अदालत ने उसके पक्ष में प्रारंभिक बंटवारा डिक्री पारित की, लेकिन प्रथम अपीलीय अदालत ने उसे पलट दिया।मद्रास हाईकोर्ट ने 11 अगस्त 2010 को पिता के हिस्से को उसकी व्यक्तिगत संपत्ति मानते हुए अपीलीय निर्णय को बरकरार रखा। इसके विरुद्ध सर्वोच्च न्यायालय में सिविल अपील संख्या 7020/2012 पहुंची। अंततः 6 नवंबर 2026 को सर्वोच्च न्यायालय ने भी अपील खारिज कर दी।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

सलाखों के पीछे इमरान और सत्ता के ठेकेदार शहबाज शरीफ के हवाई सपने

दिलीप कुमार पाठक
स्तंभकार



पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान, जो कभी पाकिस्तान का सबसे लोकप्रिय चेहरा हुआ करते थे और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर पाक का प्रतिनिधित्व करते थे, आज जेल की तन्हाई में अपनी जिंदगी की गुहार लगा रहे हैं। अदियाला जेल की चारदीवारी से आए उनके संदेश ने पूरे पाकिस्तान को बेनकाब करने के साथ-साथ मानवता को भी झकझोर कर रख दिया है। उन्होंने आशंका जताई है कि जिस तरह के हालात में उन्हें रखा गया है और जैसी स्वास्थ्य सुविधाएं मिल रही हैं, उससे उनका जिंदा वापस लौट पाना मुश्किल है। पाकिस्तान की राजनीति के इस खौफनाक सच के ठीक उलट, प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ देश और दुनिया को यह सपना दिखा रहे हैं कि पाकिस्तान जल्द ही दुनिया की शीर्ष अर्थव्यवस्थाओं में शामिल होने वाला है।

हाल ही में पाकिस्तान के मिनरल्स इन्वेस्टमेंट फोरम में बोलते हुए पीएम शहबाज शरीफ ने एक बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि गोल्डमैन सैक्स की एक पुरानी रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान साल 2075 तक दुनिया की छठी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन सकता है, लेकिन वे इसमें थोड़ा सुधार करना चाहते हैं। मियां शहबाज के मुताबिक, यह चमत्कार 2075 तक नहीं बल्कि साल 2050 से भी पहले हो जाएगा।

अब इन दावों की हकीकत की पड़ताल करते हैं तो कुछ और ही सच सामने आता है। 130 अरब डॉलर से ज्यादा के विदेशी कर्ज के बोझ तले दबे और आईएमएफ तथा चीन की बैसाखियों पर टिके रहने वाले जिस देश का विदेशी मुद्रा भंडार हर दूसरे दिन सुर्खियों में रहता हो, वहां 2050 तक दुनिया की शीर्ष छह अर्थव्यवस्था बनने का सपना देखना सिर्फ एक छलावा ही है। जिस मुल्क में रोजमर्रा की बुनियादी चीजें दुर्लभ हो चुकी हों और महंगाई ने आम आदमी की कमर तोड़ रखी हो, वहां इस तरह के हवाई किले बनाने पर खुद देश-दुनिया के विशेषज्ञ सवाल उठा रहे हैं कि क्या तब तक पाकिस्तान नाम का वजूद बचेगा भी या नहीं?



यह भी किसी से छिपा नहीं है कि पड़ोसी देश की इस खस्ताहाली के पीछे असल खेल किसका है। पाकिस्तान के कॉर्पोरेट दिग्गजों, बड़े ब्यूरोक्रेट्स और सियासतदानों ने मिलकर इस पूरी अर्थव्यवस्था को अंदर से खोखला कर दिया है। पाकिस्तान की जनता महंगाई की चक्की में पिसती है, और हुक्मरान लूट का काला धन ठिकाने लगाकर लंदन और दुबई में अपने बच्चों के नाम पर आलीशान फ्लैट और बंगले खरीद चुके हैं। वे अच्छी तरह जानते हैं कि जिस दिन वहाँ की अवाम का सब्र टूटेगा, ये सबसे पहले देश छोड़कर भाग खड़े होंगे। लेकिन अब हालात तेजी से बदल रहे हैं।

इंटरनेट और सोशल मीडिया के इस दौर में वहां की युवा पीढ़ी के सामने सेना और हुकूमत का गढ़ा हुआ पुराना प्रोपोगंडा बेनकाब हो चुका है। आज पाकिस्तान का युवा न्यूट्रल इतिहास खंगाल रहा है और यह सच जान रहा है कि कैसे चंद लोगों ने अपनी तिजोरियों के लिए पूरे देश को कर्ज के दलदल में धकेल दिया है।

इमरान खान के साथ जिस तरह का क्रूरता की जा रही है और मानवीय संवेदनाओं को ताक पर रखा जा रहा है, वह पाकिस्तान की अंदरूनी सड़न को पूरी तरह उजागर करता है। अगर जेल के भीतर कुप्रबंध या प्रताड़ना के चलते इमरान खान को कुछ हो गया, तो यह पाकिस्तान की जर्जर होती व्यवस्था और तानाशाही के ताबूत में आखिरी कील साबित होगी। फिर दुनिया की छठी अर्थव्यवस्था बनने के हवाई दावे तो दूर, पाकिस्तान खुद ही बिखर जाएगा। जनता के भीतर सुलगती यह विद्रोही आग एक न एक दिन फटेगी जरूर, और तब इन सत्ता के ठेकेदारों का क्या होगा, यह वक्त तय करेगा।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

हेल्थ अलर्ट

ठंड में भी अगर छूट रहा पसीना तो न करें नजरअंदाज, बीमारी का हो सकता है इशारा

गर्मी के मौसम में पसीना आना सामान्य है, लेकिन सर्दियों में ठंड के बावजूद बार-बार पसीना छूटना चिंता का विषय हो सकता है। खासतौर पर जब बिना मेहनत, व्यायाम या गर्म कपड़े पहने ही शरीर पसीने से भीगने लगे। कई बार इसकी वजह मसालेदार भोजन, तनाव या कमरे का अधिक गर्म होना हो सकता है, लेकिन लगातार ऐसा होना शरीर में किसी गड़बड़ी का संकेत भी हो सकता है। विशेषज्ञों के मुताबिक, ब्लड शुगर में गिरावट, हार्मोनल बदलाव, मोटापा और कुछ बीमारियां



असामान्य पसीने की वजह बन सकती हैं।

सर्दियों में अचानक पसीना आना लो ब्लड शुगर यानी हाइपोग्लाइसीमिया का लक्षण हो सकता है। खासतौर पर डायबिटीज के मरीजों को इस पर ध्यान देना चाहिए। जब खून में ग्लूकोज का स्तर 70 मिलीग्राम प्रति डेसीलीटर से नीचे चला जाता है, तो शरीर में कंपकंपी, घबराहट, तेज भूख, चक्कर और ठंडा पसीना आने जैसी समस्याएं हो सकती हैं। कुछ मामलों में भ्रम और बेहोशी भी हो सकती है।

ब्लड प्रेशर अचानक कम होने पर शरीर में कमजोरी, चक्कर, धुंधला दिखाई देना और ठंडा पसीना आने जैसे लक्षण हो सकते हैं। यदि इसके साथ सीने में दर्द, सांस लेने में परेशानी या बेहोशी महसूस हो तो इसे गंभीरता से लेना चाहिए। अचानक ठंडा पसीना, सीने में दबाव और सांस फूलना हार्ट अटैक के भी संकेत हो सकते हैं। ऐसी स्थिति में तत्काल चिकित्सा सहायता लें।

45 से 55 वर्ष की उम्र के आसपास महिलाओं में मेनोपॉज के दौरान हार्मोनल बदलाव होते हैं। इससे शरीर का तापमान नियंत्रित करने वाली प्रक्रिया प्रभावित हो सकती है। नतीजतन अचानक गर्मी महसूस होना, चेहरे और गर्दन पर पसीना आना तथा रात में कपड़े या बिस्तर भीग जाना जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इसे हॉट फ्लैश और नाइट स्वेट्स कहा जाता है।

शरीर में अतिरिक्त वजन होने पर तापमान नियंत्रित करने के लिए अधिक मेहनत करनी पड़ती है, जिससे पसीना ज्यादा आ सकता है। इसके अलावा थायरॉइड की अधिक सक्रियता, कुछ संक्रमण, दवाओं के दुष्प्रभाव और तनाव भी इसके कारण हो सकते हैं। लगातार रात में पसीना आने के साथ बुखार, बिना वजह वजन घटना या अत्यधिक थकान हो तो जांच जरूरी है।

निशाना

पाल कर दिल में जिन्होंने है रखा नफ़रत को...



प्रदीप कश्यप

ये डरे लोग बगावत भी नहीं कर सकते।
जुल्म सहते हैं शिकायत भी नहीं कर सकते।
पाल कर दिल में जिन्होंने है रखा नफ़रत को।
दिल लुटा कर वे मुहब्बत भी नहीं कर सकते।
काँच को लोग समझते हैं जो हीरा सच्चा।
वे असल हीरे की कीमत भी नहीं कर सकते।
खुद की हालत से परेशान जो रहें अक्सर।
दूर वे सबकी मुसीबत भी नहीं कर सकते।
जो बुराई को नहीं दूर हटा पाए हैं।
वे बुरे लोग शराफ़त भी नहीं कर सकते।
जिस सितमगर के सितम खूब सहैं डर कर जो।
उस से लड़ने की वे हिम्मत भी नहीं कर सकते।
ज़िंदगी शान से कश्यप जो गुजारें अपनी।
गिड़गिड़ा कर के वे मिन्नत भी नहीं कर सकते।

नॉलेज स्टोरी

यह है साइलेंट सिटी... हॉर्न बजाना है बदतमीजी कतार में खड़े रहना लोगों के संस्कार

देश के ज्यादातर शहरों में ट्रैफिक जाम का मतलब है हॉर्न का शोर, आगे निकलने की होड़ और सड़क पर धैर्य की परीक्षा। लेकिन पूर्वोत्तर भारत में एक ऐसा शहर भी है, जहां ट्रैफिक जाम में फंसे वाहन चालक हॉर्न बजाने के बजाय चुपचाप अपनी बारी का इंतजार करते हैं। यहां किसी के जल्दी में होने का मतलब यह नहीं कि वह दूसरे का रास्ता रोककर आगे निकल जाए। हॉर्न बजाना बदतमीजी माना जाता है और दूसरों को रास्ता देना सामाजिक संस्कार का हिस्सा है। यह शहर है मिजोरम की राजधानी आईजोल, जिसे भारत की साइलेंट सिटी कहा जाता है।



आईजोल की सबसे बड़ी खासियत यह है कि यहां का यातायात अनुशासन केवल पुलिस या जुर्माने के डर पर निर्भर नहीं है। इसके पीछे मिजो समाज की पारंपरिक संस्कृति 'तलावमगैहना' की महत्वपूर्ण भूमिका मानी जाती है। यह जीवन मूल्य दूसरों की मदद करने, सम्मान देने, विनम्र रहने और सामुदायिक जिम्मेदारी निभाने की सीख देता है। यही वजह है कि लोग सार्वजनिक जीवन में भी दूसरों की सुविधा का ध्यान रखते हैं। आईजोल की पहचान सिर्फ अनुशासित यातायात तक सीमित नहीं है। शिक्षा के मामले में भी यह शहर उल्लेखनीय स्थान रखता है। उपलब्ध जनगणना आधारित आंकड़ों के अनुसार, आईजोल की साक्षरता दर 98.83 प्रतिशत बताई जाती है। मिजोरम भी देश के सर्वाधिक साक्षर राज्यों में शामिल है। मिजोरम की सीमाएं बांग्लादेश और म्यांमार से मिलती हैं। इसके बावजूद राज्य को पूर्वोत्तर के अपेक्षाकृत शांत क्षेत्रों में गिना जाता है। यहां सामुदायिक सहयोग और सामाजिक एकजुटता की परंपरा मजबूत है। राज्य की बड़ी आबादी ईसाई समुदाय से संबंधित है। स्थानीय संस्कृति, त्योहार और सामूहिक गतिविधियां सामाजिक जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। आईजोल के आसपास पहाड़ियों और हरी-भरी घाटियों का खूबसूरत नजारा देखने को मिलता है। यहां का प्रमुख त्योहार चापचार कुट वसंत ऋतु में मनाया जाता है। यह मिजो समुदाय का पारंपरिक उत्सव है, जिसमें लोकनृत्य, संगीत और सामूहिक उल्लास देखने को मिलता है। आईजोल की असली खूबी इसकी खूबसूरत पहाड़ियां नहीं, बल्कि वहां रहने वाले लोगों की नागरिक समझ है। यह शहर बताता है कि बेहतर शहर बनाने के लिए केवल चौड़ी सड़कें, फ्लाईओवर और बड़ी इमारतें जरूरी नहीं हैं। जरूरी है कि नागरिक अपने अधिकारों के साथ दूसरों की सुविधा और जिम्मेदारी को भी समझें।

गैजेट रिव्यू

कलाई पर छोटी स्क्रीन, काम बड़े, फिटनेस बैंड को चुनौती देती एप्पल वाच - 12

फिटनेस बैंड का चलन तेजी से बढ़ रहा है। कई कंपनियां बिना स्क्रीन वाले बैंड पेश कर रही हैं, जिनका मकसद सिर्फ स्वास्थ्य और शारीरिक गतिविधियों का रिकॉर्ड रखना है। लेकिन क्या कलाई पर स्क्रीन होना वाकई जरूरी है? Apple Watch Series 12 का इस्तेमाल करने पर इसका जवाब काफी हद तक हां में मिलता है। यह घड़ी सिर्फ कदम गिनने या दिल की धड़कन बताने तक सीमित नहीं है, बल्कि नोटिफिकेशन देखने, वर्कआउट की निगरानी करने और फोन पर निर्भरता कम करने में भी मदद करती है। करीब दो हफ्ते के परीक्षण में इसके डिजाइन, डिस्प्ले, फिटनेस फीचर्स और बैटरी को परखा गया।इसमें ऑलवेज ऑन रेटिना डिस्प्ले दी गई है, जिसकी अधिकतम चमक 2,000 निट्स बताई गई है। तेज धूप में आउटडोर रनिंग के दौरान भी स्क्रीन पर हार्ट रेट, नोटिफिकेशन और दूसरी जानकारियां आसानी से पढ़ी जा सकती हैं। एल्युमिनियम मॉडल में सिरेमिक शील्ड 2 की सुरक्षा दी गई है, जो स्क्रीन को खरोंच और रोजमर्रा के हल्के झटकों से बचाने में मदद करती है। इसमें WR50 वाटर रेजिस्टेंस और IP6X डस्ट रेजिस्टेंस भी मिलता है। यानी पसीने वाले वर्कआउट और तैराकी के दौरान भी उपयोग किया जा सकता है।



इसमें रेडीनेस स्कोर का फीचर भी है, जो नींद, गतिविधियों और रिकवरी से जुड़े आंकड़ों के आधार पर बताता है कि शरीर आराम या मेहनत के लिए कितना तैयार है। इसके लिए लगातार सात दिन तक वॉच पहनकर सोना जरूरी है। ECG, ब्लड ऑक्सीजन, स्लीप एपनिया अलर्ट और GPS जैसे फीचर्स भी इसकी उपयोगिता बढ़ाते हैं। हालांकि, इन स्वास्थ्य आंकड़ों को चिकित्सकीय जांच का विकल्प नहीं मानना चाहिए।

Apple ने इसकी बैटरी को 24 घंटे तक चलने का दावा किया है। लेकिन परीक्षण में ऑलवेज ऑन डिस्प्ले और फिटनेस फीचर्स चालू रखने के बावजूद करीब 56 घंटे का बैकअप मिला। पूरी तरह चार्ज होने में लगभग डेढ़ घंटे लगे। यह प्रदर्शन रोजाना चार्जिंग की परेशानी को काफी कम कर सकता है।

मुआवजे की राशि कियोस्क में जमा कराई थी, खाते में नहीं पहुंची रकम, पुलिस ने दोनों पक्षों को दी समझाइश, थाने में मांगा बकाया विवरण

कियोस्क संचालक की मौत के बाद 52 लाख से अधिक की राशि का विवाद, वादा पूरा न होने पर हितग्राहियों ने घर के सामने दिया धरना

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

झलौन में एसबीआई कियोस्क बैंक संचालित करने वाले और पेट्रोल पंप पर मैनेजर के पद पर कार्यरत रहे रूपेश पिता हुकमचंद जैन की मौत के बाद क्षेत्र के ग्रामीणों की जमा पूंजी को लेकर विवाद लगातार गहराता जा रहा है। सोमवार को लंबे समय से अपनी राशि वापस मिलने का इंतजार कर रहे बड़ी संख्या में हितग्राहियों ने सागर रोड स्थित मृतक के मकान पर पहुंचकर धरना दिया। ग्रामीणों का आरोप है कि कियोस्क संचालक के पास क्षेत्र के विभिन्न वर्गों के लोगों की करीब 52 लाख रुपये से अधिक की राशि बकाया है, जो उनके बैंक खातों में जमा नहीं की गई।जानकारी के अनुसार, झलौन निवासी रूपेश जैन 5 जून को अचानक घर से लापता हो गए थे। इसके तीन दिन बाद 8 जून की रात उनका शव एक कुएं में मिला था। बताया जाता है कि वीरांगना रानी दुर्गावती टाइगर रिजर्व के विस्तार के दौरान क्षेत्र के कई गांवों के विस्थापित परिवारों को मुआवजे के रूप में 15-15 लाख रुपये मिले थे। इनमें से कई आदिवासी परिवारों सहित अन्य ग्रामीणों ने अपनी मुआवजा राशि का कुछ हिस्सा झलौन स्थित एसबीआई कियोस्क में जमा कराया था। इसके अलावा क्षेत्र के अन्य लोगों ने भी दो से तीन लाख रुपये तक की रकम जमा की थी।ग्रामीणों का आरोप है कि उन्होंने अपनी राशि कियोस्क



संचालक को सौंपी थी, जिसके बदले उन्हें कच्ची रसीदें दी गईं और बैंक खातों में रकम जमा होने का भरोसा दिलाया गया। लेकिन रूपेश जैन की मौत के बाद जब हितग्राही बैंक पहुंचे और अपने खातों की जांच कराई तो संबंधित राशि जमा नहीं मिली। इसके बाद से ही लोग अपनी जमा पूंजी वापस पाने के लिए भटक रहे हैं। ग्रामीणों ने तेंदूखेड़ा पुलिस थाने से लेकर कलेक्टर की जनसुनवाई तक शिकायतें कीं, लेकिन करीब छह माह बीतने के बाद भी उन्हें राहत नहीं मिली।इस मामले को लेकर करीब चार माह पहले मृतक के परिजनों और हितग्राहियों के बीच बैठक आयोजित हुई थी। इसमें बकाया राशि का हिसाब सामने आने के बाद परिजनों ने चार माह का समय मांगा था और अवधि पूरी होने पर राशि लौटाने का आश्वासन दिया था। सोमवार को निर्धारित समय पूरा होने पर जब हितग्राही अपने पैसे मांगने पहुंचे तो परिजनों ने फिलहाल आर्थिक स्थिति ठीक नहीं होने और राशि उपलब्ध नहीं होने की बात कही। इससे नाराज होकर बड़ी संख्या में लोग सागर रोड स्थित मकान पर पहुंच गए और धरने पर बैठ गए।मामले की जानकारी मिलने पर मृतक के परिजन तेंदूखेड़ा थाने पहुंचे, जिसके बाद पुलिस बल मौके पर पहुंचा और दोनों पक्षों को समझाइश दी। कुछ घंटे बाद थाना प्रभारी सरोज सिंह ठाकुर भी झलौन पहुंचीं। उन्होंने परिजनों से कहा कि जब चार माह पहले बैठक में राशि लौटाने का समझौता हुआ था तो उसे पूरा किया जाना चाहिए।

थाना प्रभारी बोलीं- समझौता हुआ था तो उसे पूरा करना चाहिए

थाना प्रभारी सरोज सिंह ठाकुर ने बताया कि सूचना मिलने पर पुलिस बल मौके पर पहुंचा था और दोनों पक्षों को समझाइश दी गई है। यदि उनके बीच राशि लौटाने का कोई समझौता हुआ था तो परिजनों को उसे पूरा करना चाहिए। राशि लेने वाला व्यक्ति अब जीवित नहीं है, ऐसे में पुलिस फिलहाल दोनों पक्षों को समझाइश ही दे सकती है। उन्होंने सभी हितग्राहियों को थाने पहुंचकर अपनी शिकायत और बकाया राशि का विवरण प्रस्तुत करने के लिए कहा है, ताकि दोनों पक्षों की मौजूदगी में मामले को समझा जा सके। अपनी मेहनत की कमाई और मुआवजे की राशि वापस मिलने की उम्मीद लगाए बैठे ग्रामीणों में अब नाराजगी बढ़ती जा रही है।

न्यूज विंडो

बस से वन विभाग के चौकीदार की बाईक भिड़ी, गंभीर अवस्था में जबलपुर रेफर



तेंदूखेड़ा। थाना क्षेत्र के पाटन-तेंदूखेड़ा मार्ग पर मंगलवार दोपहर करीब ढाई बजे बाइक और यात्री बस की भिड़ंत हो गई। हादसे में बाइक सवार पति-पत्नी घायल हो गए। पति को गंभीर अंदरूनी चोटें आने के कारण जबलपुर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है, जबकि पत्नी का उपचार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में जारी है।

पत्नी का इलाज कराकर घर लौट रहे थे दंपति, पाटन-तेंदूखेड़ा मार्ग पर हुआ हादसा

जानकारी के अनुसार सलैया निवासी सुनील यादव (35) अपनी पत्नी मीना यादव (24) का स्वास्थ्य परीक्षण और इलाज कराने तेंदूखेड़ा आए थे। वापस घर लौटते समय नरगुवा गांव के पास उनकी बाइक जबलपुर से दमोह जा रही तिवारी बस से टकरा गई। हादसे के बाद राहगीरों और बस चालक की मदद से दोनों घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। सुनील वन विभाग में चौकीदार के पद पर कार्यरत हैं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार बाइक अचानक बस की ओर आ गई थी, जबकि बस अपनी साइड में चल रही थी। हालांकि हादसे की वास्तविक वजह पुलिस जांच के बाद स्पष्ट होगी।

बुदनी के बगवाड़ा में फैक्ट्री के गोदाम में भीषण आग, लाखों का सामान जलकर राख



बुदनी। तहसील मुख्यालय बुदनी के समीप ग्राम बगवाड़ा में मंगलवार शाम एक निजी कारखाने एवं विद्युत सामग्री के गोदाम में अचानक भीषण आग लग गई। गोदाम में रखी केबल वायर, बिजली के उपकरण और बड़ी मात्रा में प्लास्टिक का सामान आग की चपेट में आ गया। देखते ही देखते ऊंची-ऊंची लपटें और काले धुएं का गुबार दूर तक दिखाई देने लगा।जानकारी के अनुसार इस कारखाने के संचालक हरियाणा निवासी दीपक शर्मा हैं। यहां विद्युत सामग्री का कारोबार किया जाता है। गोदाम के एक हिस्से से आग की लपटें उठती दिखाई दीं, जो तेजी से फैल गईं।आग की भयावहता को देखते हुए बुदनी नगर परिषद की दमकल के अलावा वर्द्धमान फैब्रिक्स और ट्राइडेंट कंपनी की फायर ब्रिगेड को बुलाया गया। फिर भी आग पर काबू नहीं पाया जा सका, तो नर्मदापुरम से अतिरिक्त दमकल वाहन बुलाए गए। आधा दर्जन से अधिक दमकलों की मदद से कई घंटे के प्रयास के बाद आग पर काबू पाया गया।प्रारंभिक अनुमान के अनुसार लाखों रुपये का नुकसान हुआ है। शॉर्ट सर्किट से आग लगने की आशंका जताई जा रही है। थाना प्रभारी सुनील ठाकुर ने बताया कि आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है।

तारादेही के पास अज्ञात वाहन की टक्कर में गंभीर घायल हुआ अज्जू गौड़

108 नहीं मिली तो 3 घंटे तड़पता रहा घायल एसडीएम-तहसीलदार पहुंचे तब मिली एंबुलेंस

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तेंदूखेड़ा में 108 एंबुलेंस की व्यवस्था एक बार फिर सवालों के घेरे में आ गई है। सोमवार शाम हुए सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल युवक को समय पर एंबुलेंस नहीं मिली, जिसके चलते वह करीब तीन घंटे तक अस्पताल में तड़पता रहा। सूचना मिलने पर एसडीएम और तहसीलदार मौके पर पहुंचे, तब कहीं जाकर 108 का इंतजाम हो सका।सोमवार शाम करीब 7 बजे तारादेही थाना क्षेत्र के ग्राम पौड़ी के पास अज्ञात वाहन ने झलौन निवासी मोटरसाइकिल सवार अज्जू पिता भैयालाल गौड़ (35) को टक्कर मार दी। हादसे में अज्जू गंभीर रूप से घायल हो गया। ग्रामीणों ने तत्काल 112 को सूचना दी। घायल को नगर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया, जहां मौजूद डॉक्टर संजय विश्वकर्मा ने प्राथमिक उपचार के बाद उसे जबलपुर रेफर कर दिया। लेकिन 108 एंबुलेंस उपलब्ध न होने के कारण घायल को उपचार के बाद एक कमरे में लिटा दिया गया।बताया गया कि अज्जू रिश्तेदारी में ग्राम पलवा गया था। शाम को वापस झलौन लौटते समय रास्ते में अज्ञात वाहन ने उसे टक्कर मार दी।सूचना मिलते ही एसडीएम सी.जी. गोस्वामी और तहसीलदार अस्पताल पहुंचे। उन्होंने स्थिति की गंभीरता को देखते हुए पूरे ब्लॉक में संचालित इकलौती 108 को कॉल करके बुलवाया।



एसडीएम बोले- कलेक्टर को दी जानकारी, होगा सुधार

एसडीएम सी.जी. गोस्वामी ने बताया कि जानकारी मिलते ही वे तुरंत अस्पताल पहुंचे। वहां पहुंचकर देखा तो कई अन्य मरीज भी आ गए थे। 108 उपलब्ध न होने के कारण घायल की हालत काफी नाजुक थी। उन्होंने पूरे मामले से कलेक्टर को अवगत करा दिया है। कलेक्टर ने कहा है कि बहुत जल्द अस्पताल की व्यवस्थाओं में सुधार होगा। साथ ही 108 उपलब्ध कराने के लिए आज ही एक पत्र भेजा जा रहा है। एसडीएम के हस्तक्षेप के बाद ही इकलौती 108 को बुलवाया जा सका और रात करीब 10:15 बजे घायल को जबलपुर रेफर किया गया। लोगों का कहना है कि हर बार अधिकारियों के पहुंचने के बाद ही व्यवस्था क्यों बनती है। अस्पताल में स्थायी व्यवस्था होनी चाहिए, ताकि किसी घायल को इलाज के लिए तड़पना न पड़े।

एक ही 108 से चल रहा पूरा ब्लॉक, कब सुधरेगी व्यवस्था?

तेंदूखेड़ा ब्लॉक में स्वास्थ्य सेवाओं की सबसे बड़ी कमजोरी एंबुलेंस की कमी बन गई है। पूरे ब्लॉक के लिए मात्र एक ही 108 एंबुलेंस संचालित हो रही है। यदि वह किसी अन्य मरीज को लेकर बाहर गई हो, तो अस्पताल में आने वाले गंभीर मरीजों को घंटों इंतजार करना पड़ता है। सोमवार की घटना ने इसी हकीकत को उजागर कर दिया। घायल युवक को रेफर करने के बाद भी एंबुलेंस न होने से उसे तीन घंटे तक अस्पताल में ही लिटाए रखना पड़ा। सीबीएमओ डॉ. अशोक बरौनियां का कहना है कि एक और एंबुलेंस के लिए वे कई बार जिला अधिकारियों और राज्यमंत्री को पत्र लिख चुके हैं। इसके बावजूद अब तक दूसरी एंबुलेंस नहीं मिली है।

मासूम की हत्या पर भीम आर्मी ने कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन सीबीआई जांच की मांग



दमोह/तेंदूखेड़ा। जिले के तेजगढ़ थाना क्षेत्र के ग्राम गूड़ा में 10 वर्षीय अभिषेक अहिरवार की हत्या के मामले ने तूल पकड़ लिया है। मंगलवार को मृतक के पिता बहादुर अहिरवार ग्रामीणों और भीम आर्मी के सदस्यों के साथ कलेक्ट्रेट पहुंचे और कलेक्टर व पुलिस अधीक्षक के नाम एसडीएम सौरभ गंधर्व एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुजीत सिंह भदौरिया को ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन के अनुसार, अभिषेक 10 नवंबर की शाम से लापता था। परिजनों ने तेजगढ़ थाने में शिकायत दर्ज कराई, लेकिन पांच दिनों तक तलाश के बावजूद उसका पता नहीं चला। छठवें दिन गांव के पास खेत में उसका क्षत-विक्षत शव मिला। परिजनों ने पुलिस पर तलाश में गंभीर लापरवाही बरतने और बिना अनुमति रात 12 से 2 बजे के बीच शव हटाने का आरोप लगाते हुए साक्ष्यों से छेड़छाड़ की आशंका जताई। भीम आर्मी ने मामले की सीबीआई जांच, तेजगढ़ पुलिस की भूमिका की निष्पक्ष जांच, दोषियों पर कठोर कार्रवाई और पीड़ित परिवार को 25 लाख रुपये मुआवजा देने की मांग की। संगठन ने चेतावनी दी कि मांगें पूरी नहीं होने पर उग्र आंदोलन किया जाएगा।

दो मासूमों को SMA बीमारी, इलाज के लिए 24 से 34 करोड़ रुपए की जरूरत

एक इंजेक्शन की कीमत 12 से 17 करोड़ रुपए

धार। दोपहर मेट्रो

दुर्लभ आनुवंशिक बीमारी से जूझ रहे दो मासूम बच्चों के इलाज का खर्च सुनकर हर कोई हैरान है। स्पाइनल मस्कुलर एट्रोफी (एमएमए) टाइप-2 से पीड़ित दोनों बच्चों के इलाज के लिए विशेष इंजेक्शन की जरूरत है। एक बच्चे के इलाज पर करीब 12 से 17 करोड़ रुपए खर्च होने का अनुमान है। ऐसे में दोनों बच्चों के इलाज का कुल खर्च 24 से 34 करोड़ रुपए तक पहुंच सकता है।

आर्थिक रूप से परेशान परिवार मंगलवार को कलेक्टर की जनसुनवाई में मदद की गुहार लेकर पहुंचा। ग्राम कोटभिड़ौता निवासी निखिलेश तंवर अपनी पत्नी मनीष तंवर और दोनों बच्चों के साथ जिला पंचायत पहुंचे। उन्होंने कलेक्टर के नाम जिला पंचायत सीईओ नीलेश जैन को आवेदन सौंपकर बच्चों के इलाज के लिए आर्थिक सहायता मांगी।

बीमारी के कारण बच्चों की मांसपेशियां हो रही कमजोर

परिवार ने बताया कि बीमारी के कारण बच्चों की मांसपेशियां कमजोर हो रही हैं। वे न तो ठीक से बैठ पाते हैं और न ही खुद उठ पाते हैं। चलने-फिरने की क्षमता भी प्रभावित हो रही है। मनीष तंवर ने बताया कि शुरुआत में बच्चों को जांच के लिए बड़ोदरा ले गए थे। वहां से डॉक्टरों ने बेंगलुरु रेफर किया। जांच में दोनों बच्चों को एमएमए टाइप-2 होने की पुष्टि हुई। उनकी बेटी दियानश्री करीब चार साल और बेटा विश्वराज डेढ़ साल का है। परिवार की परेशानी सुनने के बाद जिला पंचायत सीईओ नीलेश जैन ने आवेदन पर कार्रवाई का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि प्रकरण शासन स्तर तक भेजा जाएगा और बच्चों के इलाज के लिए हर संभव मदद का प्रयास किया जाएगा।

जानलेवा हमले में इस्तेमाल पिस्टल सप्लाई करने वाले आरोपी को पुलिस ने पकड़ा, भेजा जेल



धार। दोपहर मेट्रो

पुलिस ने हत्या के प्रयास के एक मामले में करीब ढाई महीने से फरार चल रहे हथियार सप्लायर को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। आरोपी ने मुख्य हमलावर को वारदात में इस्तेमाल की गई पिस्टल उपलब्ध कराई थी। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

राजगढ़ थाना प्रभारी समीर पाटीदार ने बताया कि 28 अगस्त को थाना राजगढ़ की चौकी तिरला क्षेत्र के ग्राम नयापुरा पीपरनी में फरियादी भूपेंद्र राठौर पर जानलेवा हमला हुआ था। राजगढ़ निवासी मुख्य आरोपी अर्पित पिता अशोक ने अपने साथियों के साथ मिलकर भूपेंद्र पर पिस्टल से फायरिंग कर हत्या का प्रयास किया था। इस मामले में राजगढ़ पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की थी। थाना प्रभारी के अनुसार मामले की तफ्तीश के दौरान यह तथ्य सामने आया कि मुख्य आरोपी अर्पित को वारदात के लिए पिस्टल राजगढ़ निवासी सुनिंदर पिता मोती सिंह सिकलीगर ने उपलब्ध कराई थी। घटना के बाद से ही आरोपी सुनिंदर पुलिस की गिरफ्त से बचने के लिए फरार चल रहा था। धार पुलिस अधीक्षक सचिन शर्मा के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पारुल बेलापुरकर एवं एसडीओपी सरदारपुर विश्वदीप सिंह परिहार के मार्गदर्शन में राजगढ़ पुलिस लगातार आरोपी की तलाश कर रही थी। मुखबिर की सूचना पर मंगलवार को पुलिस टीम ने घेराबंदी कर फरार आरोपी सुनिंदर सिकलीगर को दबोच लिया। आवश्यक वैधानिक कार्रवाई के बाद उसे न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया है। फरार आरोपी की गिरफ्तारी में राजगढ़ थाने के उप निरीक्षक निहाल सिंह दंडोतिया, प्रधान आरक्षक आसिफ शेख, आरक्षक दिलीप डुडवे और सैनिक गजराज सिंह की भूमिका रही हैं।

मेट्रो एंकर

कांग्रेस नेता विनोद सेन ने वाचनालय को भेंट की पुस्तक

सिरोंज के गांधी वाचनालय में उपलब्ध हुई सोनिया गांधी की आत्मकथा

सिरोंज। दोपहर मेट्रो

पुस्तकें केवल ज्ञान अर्जित करने का माध्यम नहीं, बल्कि समाज में विचार, चेतना और सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करने का सशक्त साधन हैं। इसी उद्देश्य से मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के सचिव विनोद सेन ने सिरोंज स्थित गांधी वाचनालय में कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष एवं पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी की आत्मकथा भेंट की। इस पहल के माध्यम से अब सिरोंज के पाठक, विद्यार्थी, युवा, बुद्धिजीवी और साहित्यप्रेमी गांधी वाचनालय में बैठकर इस पुस्तक का अध्ययन कर सकेंगे। इस अवसर पर विनोद सेन ने कहा कि श्रीमती सोनिया गांधी की यह पुस्तक उनके जीवन के अनुभवों, संघर्षों, संवेदनाओं, पारिवारिक संबंधों और



भारत के साथ उनके जुड़ाव को समझने का एक महत्वपूर्ण माध्यम है।उन्होंने कहा कि पुस्तक को सार्वजनिक अध्ययन के लिए गांधी वाचनालय में उपलब्ध कराने का उद्देश्य इसे किसी व्यक्तिगत संग्रह तक सीमित रखने के बजाय अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि गांधी वाचनालय सिरोंज की महत्वपूर्ण बौद्धिक एवं सामाजिक धरोहर है। महात्मा गांधी के विचारों, साहित्य और पुस्तकों के माध्यम से समाज में सत्य, अहिंसा, सद्भाव और सकारात्मक चिंतन की परंपरा को मजबूत करना समय की आवश्यकता है। वे पूर्व में भी वाचनालय को महात्मा गांधी से संबंधित साहित्य एवं पुस्तकें भेंट करते रहे हैं। उनका मानना है कि सार्वजनिक पुस्तकालयों को समृद्ध करना और नई पीढ़ी को अध्ययन के प्रति प्रेरित करना हम सभी की सामाजिक जिम्मेदारी है। डिजिटल माध्यमों के बढ़ते प्रभाव के बीच पुस्तकों के प्रति रुचि और पढ़ने की आदत को प्रोत्साहित करना और भी जरूरी हो गया है। इस अवसर पर उपस्थित जनों ने विनोद सेन की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि सोनिया गांधी की पुस्तक वाचनालय में उपलब्ध होने से क्षेत्र के पाठकों और युवाओं को एक महत्वपूर्ण पुस्तक पढ़ने का अवसर मिलेगा। पुस्तक को सार्वजनिक अध्ययन के लिए उपलब्ध कराना ज्ञान, साहित्य और वैचारिक संवाद को बढ़ावा देने की दिशा में सराहनीय प्रयास है।कार्यक्रम में वरिष्ठ कांग्रेस नेता केसर खान, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी सिरोंज के अध्यक्ष सुरेश यादव, नगर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष सेफू गद्दी, डॉ. सुबहान गौरी, आशीष जैन, जहीरुद्दीन भैया सहित अनेक कांग्रेसजन उपस्थित रहे।

राज्य कृषि विस्तार एवं प्रशिक्षण संस्थान

भदभदा रोड़, बरखेड़ी कलां भोपाल (0755) 2696612 फैक्स नं. 0755-2696697
E-mail:dirsiaet@mp.gov.in, siaetbhopal@gmail.com

क्रमांक/भण्डार/40/ ई-टेन्डर/भाग-4/2025-26/2932 भोपाल, दिनांक 02/11/26

ई-निविदा आमंत्रण सूचना

राज्य कृषि विस्तार एवं प्रशिक्षण संस्थान (SIAET) भदभदा रोड़, बरखेड़ी कलां भोपाल (म.प्र.) में निम्नानुसार कार्य एवं व्यवस्था हेतु एक वर्ष के लिये ई-निविदा आमंत्रित की जाती है :-

क्र.	निविदा विषय	निविदा आमंत्रण	कार्य का क्षेत्र	धरोहर राशि	निविदा प्रपत्र शुल्क	ई-निविदा खोलने की दिनांक	ई-निविदा क्र. दिनांक
01	संस्थान परिसर की सुरक्षा व्यवस्था	तृतीय निविदा	संपूर्ण संस्थान परिसर	रु. 60,000/- (साठ हजार)	रू. 1000/- (एक हजार)	27-11-2026 (03:00 PM)	2026_SIAET_547431_1

उपरोक्त कार्य के लिए विस्तृत सेवा शर्तें निविदा फार्म में उल्लेखित है। निविदा प्रपत्र दिनांक 04.11.2026 से दिनांक 26.11.2026 तक वेबसाइट https://mptenders.gov.in के माध्यम से देखा एवं क्रय किया जा सकेगा। निविदा प्रपत्र शुल्क एवं धरोहर राशि का ऑनलॉइन (ई-पेमेंट) वेबसाइट https://mptenders.gov.in के माध्यम से किया जावेगा। इच्छुक एजेंसी निविदा उक्त वेबसाइट पर दिनांक 26.11.2026 को दोपहर 02:00 PM बजे तक प्रस्तुत कर सकते है। निविदा प्रपत्र के साथ फर्म की सील व अधिकृत हस्ताक्षरकर्ता के हस्ताक्षरयुक्त आवेदन में चाहें गए प्रपत्रों की स्कैन कापी अपलोड करना अनिवार्य होगा।
निविदा संबंधी अन्य विवरण उक्त वेबसाइट पर देखे जा सकते है। किसी भी संशोधन की सूचना उपरोक्त वेबसाइट पर ही अपलोड की जावेगी। निविदा के संबंध में जानकारी हेतु SIAET में कार्यालयीन समय में अवकाश छोड़कर संपर्क किया जा सकता है।

संचालक, राज्य कृषि विस्तार एवं प्रशिक्षण संस्थान
G-21630/26 "बच्चों की मुस्कान है अनमोल, इसे सुरक्षित रखें हर हाल" बरखेड़ी कलां भोपाल

ओमती क्षेत्र के निजी अस्पताल में दो पत्नियों के बीच विवाद, पुलिस ने दर्ज की शिकायत

जबलपुर : पहली शादी बरकरार, दूसरी पत्नी ने दिया बच्चे को जन्म, अस्पताल पहुंची पहली पत्नी ने जमकर मचाया हंगामा

जबलपुर। दोपहर मेट्रो

शहर के ओमती क्षेत्र स्थित एक निजी अस्पताल में उस समय हंगामे की स्थिति बन गई, जब एक व्यक्ति की दूसरी पत्नी ने बच्चे को जन्म दिया। इसकी जानकारी मिलते ही पहली पत्नी दिशा अस्पताल पहुंच गई और जमकर विरोध जताया। महिला ने पति पर पहली शादी के रहते बिना तलाक दूसरी शादी करने और नवजात के जन्म संबंधी दस्तावेजों में पिता के रूप में अपना नाम दर्ज नहीं कराने का आरोप लगाया।

पुलिस के अनुसार दिशा का विवाह शुभांशु से हुआ था। बाद में दोनों के बीच विवाद होने पर मामला न्यायालय तक पहुंच गया। इसी दौरान शुभांशु ने दूसरी शादी कर ली। उसकी दूसरी पत्नी ने ओमती क्षेत्र के निजी अस्पताल में बच्चे को जन्म दिया। इसकी जानकारी मिलने पर पहली पत्नी अस्पताल पहुंच गई। दिशा का आरोप है कि पति सरकारी नौकरी में होने के कारण



अपनी पहचान छिपाने का प्रयास कर रहा है। विवाद बढ़ने पर अस्पताल प्रबंधन ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों पक्षों को समझाइश दी। पहली पत्नी की शिकायत पर पुलिस ने हस्तक्षेप अयोग्य अपराध की सूचना दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

न्यायालय तक पहुंच चुका था पहली शादी का मामला

पुलिस के मुताबिक दिशा और शुभांशु का विवाह पहले हो चुका था। बाद में दोनों के बीच विवाद की स्थिति बनी और मामला न्यायालय तक पहुंच गया। इसी दौरान शुभांशु ने दूसरी शादी कर ली। पहली पत्नी दिशा का आरोप है कि बिना कानूनी रूप से पहली शादी समाप्त किए पति ने दूसरा विवाह किया। दूसरी पत्नी के अस्पताल में बच्चे को जन्म देने की जानकारी मिलने पर दिशा वहां पहुंच गई। इसके बाद निजी अस्पताल में दोनों पक्षों के बीच विवाद की स्थिति बन गई। मामले को लेकर अब पुलिस शिकायत के आधार पर जांच कर रही है।

पिता के नाम को लेकर अस्पताल में हुआ विवाद

दिशा ने आरोप लगाया कि शुभांशु ने दूसरी पत्नी से जन्मे बच्चे के दस्तावेजों में पिता के रूप में अपना नाम दर्ज नहीं कराया। उसका कहना है कि पति सरकारी नौकरी में है और इसी वजह से अपनी पहचान छिपाने का प्रयास कर रहा है। अस्पताल में विवाद बढ़ने पर प्रबंधन ने पुलिस को बुलाया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर दोनों पक्षों से बातचीत की और स्थिति संभाली। दिशा की शिकायत पर हस्तक्षेप अयोग्य अपराध की सूचना दर्ज की गई है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

चक्रवाती तूफान 'अक्वान' से बदलेगा मौसम, 20 नवंबर के बाद महाकौशल में बारिश के आसार

जबलपुर। बंगाल की खाड़ी में सक्रिय चक्रवाती तूफान 'अक्वान' के असर से जबलपुर सहित महाकौशल क्षेत्र का मौसम 20 नवंबर के बाद बदल सकता है। मौसम विभाग के अनुसार चक्रवात का सीधा प्रभाव भले ही जबलपुर पर कम हो, लेकिन नमी बढ़ने से बादल छाने और कहीं-कहीं तेज हवाओं के साथ हल्की बारिश होने की संभावना है। फिलहाल 18 से 20 नवंबर तक मौसम मुख्यतः शुष्क रहने और धुंध छाए रहने का अनुमान है। सुबह और रात में ठंड का असर बना हुआ है, जबकि दिन में उत्तरी और उत्तर-पश्चिमी हवाओं के कारण ठंड कुछ कम महसूस हो रही है। मौसम विभाग के अनुसार 21 नवंबर को बादल छाने और कहीं-कहीं बारिश के आसार हैं। जबलपुर में अधिकतम तापमान 29.6 डिग्री और न्यूनतम तापमान 13.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

न्यूज विंडो

पिता ने नींद में सो रही 6 साल की बेटी को चाकू-हंसिया से काट डाला, पत्नी पर किया हमला



सीधी। जिले के चुरहट में सोमवार रात रिश्तों को शर्मसार करने वाली वारदात सामने आई। उमेश केवट ने सो रही पत्नी सावित्री और छह वर्षीय बेटी ऋतु पर चाकू और हंसिया से जानलेवा हमला कर दिया। हमले में मासूम ऋतु की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गई। वारदात के बाद आरोपी ने खुद के गले पर भी चाकू से वार कर लिया। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के अनुसार उमेश मूल रूप से रीवा जिले के गुढ़ थाना क्षेत्र के बघवार गांव का निवासी है। वह परिवार के साथ चुरहट के मंमदर तालाब के पास झोपड़ी बनाकर रहता था और सिंघाड़े की खेती करता था। सोमवार रात सावित्री अपनी दोनों बेटियों के साथ सो रही थी, तभी उमेश ने अचानक हमला कर दिया। पत्नी के मुताबिक, पिछले तीन दिनों से उमेश का व्यवहार बदला हुआ था और वह आए दिन गाली-गलौज व मारपीट पर उतारू हो जाता था। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया। ऋतु को मृत घोषित कर दिया गया, जबकि सावित्री का उपचार जारी है। आरोपी की हालत भी गंभीर बताई जा रही है।

वारदात के बाद आरोपी ने खुद का गला काटकर की जान देने की कोशिश

ग्वालियर : घर के बाहर खेल रहे दो साल के शिवांश को तेज रफ्तार बाइक ने कुचला, मौत



ग्वालियर। शहर के थाटीपुर थाना क्षेत्र के गौतम नगर में तेज रफ्तार बाइक की टक्कर से दो वर्षीय मासूम की दर्दनाक मौत हो गई। घर के बाहर खेल रहे बच्चे को अज्ञात बाइक सवार ने जोरदार टक्कर मार दी। हादसे के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। घटना से परिवार में कोहराम मच गया, वहीं पूरे मोहल्ले में शोक की लहर है। पुलिस के अनुसार गौतम नगर निवासी वीरेन्द्र जाटव का दो वर्षीय बेटा शिवांश देर रात घर के आंगन में खेल रहा था। इस दौरान परिवार के सदस्य अंदर खाना खा रहे थे। खेलते-खेलते शिवांश घर से बाहर गली में पहुंच गया। तभी वहां से तेज रफ्तार में गुजर रहे बाइक सवार ने उसे अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर से बच्चा उछलकर सड़क पर गिरा और उसके सिर में गंभीर चोट आई। हादसे के बाद बाइक चालक बिना रुके फरार हो गया। परिजन घायल शिवांश को तत्काल अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना पर थाटीपुर थाना पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर अज्ञात चालक के खिलाफ मामला दर्ज किया है। आरोपी की पहचान के लिए आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

गौतम नगर में दर्दनाक हादसा, टक्कर मारकर बाइक सवार फरार, सीसीटीवी फुटेज खंगालकर आरोपी की तलाश में जुटी पुलिस

छिंदवाड़ा के दमुआ सरकारी अस्पताल का मामला, बीएमओ ने जांच के दिए आदेश

प्रसव के बाद भी दर्द से तड़पती रही महिला, शरीर में सैनेटरी पैड छोड़ने का आरोप, मचा हड़कंप

पति ने दो नर्सिंग ऑफिसर्स के खिलाफ की शिकायत, नर्सों ने आरोपों को बताया निराधार

छिंदवाड़ा। दोपहर मेट्रो

दमुआ के सरकारी अस्पताल में प्रसव के दौरान गंभीर लापरवाही का मामला सामने आया है। आरोप है कि सामान्य प्रसव के दौरान स्वास्थ्यकर्मियों ने महिला के शरीर के अंदर सैनेटरी पैड छोड़ दिया, जिसके कारण डिलीवरी के बाद भी वह दर्द और तकलीफ से जूझती रही। मामला सामने आने के बाद स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मच गया है।

जानकारी के अनुसार सतीश यदुवंशी 11 नवंबर को दोपहर करीब एक बजे अपनी पत्नी शिखा को प्रसव के लिए अस्पताल लेकर पहुंचे थे। यहां महिला की सामान्य डिलीवरी कराई गई। पति का आरोप है कि प्रसव के दौरान शरीर के अंदर सैनेटरी पैड छूट गया। बाद में दर्द बढ़ने पर दोबारा जांच कराई गई, तब इसकी जानकारी सामने आई। सतीश ने 14 नवंबर को बीएमओ जुन्नारदेव को लिखित शिकायत देकर ड्यूटी पर मौजूद दोनों नर्सिंग ऑफिसर्स के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

वहीं संबंधित नर्सिंग ऑफिसर्स ने आरोपों को पूरी तरह निराधार बताया है। उनका कहना है कि महिला की सामान्य डिलीवरी हुई थी और 13 नवंबर को स्वस्थ अवस्था में छुट्टी दे दी गई थी। अधिकारियों के अनुसार मामले की निष्पक्ष जांच कराई जा रही है। जांच रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।



14 को की शिकायत, सोशल मीडिया पर मामला चर्चा में

शिकायतकर्ता सतीश यदुवंशी के मुताबिक, पत्नी शिखा को 11 नवंबर को प्रसव के लिए दमुआ सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। सामान्य डिलीवरी के बाद भी पत्नी को लगातार दर्द और परेशानी होती रही। तकलीफ बढ़ने पर दोबारा जांच कराई गई, जिसके बाद सैनेटरी पैड शरीर में छूटने का आरोप सामने आया। इसके बाद सतीश ने 14 नवंबर को बीएमओ जुन्नारदेव को लिखित शिकायत देकर संबंधित नर्सिंग स्टाफ पर लापरवाही का आरोप लगाया। 17 नवंबर को मामला सोशल मीडिया और विभिन्न इंटरनेट ग्रुप्स में भी चर्चा का विषय बन गया।

नर्सिंग ऑफिसर्स ने आरोप नकारे, जांच के बाद कार्रवाई

आरोपों से घिरी दोनों नर्सिंग ऑफिसर्स ने मामले में अपना पक्ष रखते हुए सभी आरोपों को निराधार और मिथ्या बताया है। उनका कहना है कि 11 नवंबर को शिखा की सामान्य और स्वस्थ डिलीवरी हुई थी। प्रसव के दो दिन बाद 13 नवंबर को उसे अस्पताल से छुट्टी भी दे दी गई थी। स्टाफ के अनुसार छुट्टी के समय महिला को कोई परेशानी नहीं थी। वहीं नर्सिंग ऑफिसर सुजाता रुपाली ने बताया कि शिकायत प्राप्त हुई है और पूरे मामले की गंभीरता से निष्पक्ष जांच कराई जा रही है। जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर नियमानुसार कार्रवाई होगी।

न्याय नहीं मिला तो जहर खाकर एसपी के दरबार पहुंची महिला, हाथ में था सुसाइड नोट



शिवपुरी। जिले में जनसुनवाई के दौरान उस समय हड़कंप मच गया, जब एक महिला जहर खाने के बाद पुलिस कंट्रोल रूम पहुंची और एसपी यांगचेन डोलकर भूटिया को सुसाइड नोट सौंप दिया। महिला का आरोप है कि नरवर थाना पुलिस द्वारा सुनवाई नहीं किए जाने से परेशान होकर उसने यह कदम उठाया। पुलिस ने उसे तत्काल जिला अस्पताल में भर्ती कराया।

दतिया निवासी माही उर्फ प्रियंका रावत ने आठ महीने पहले नरवर क्षेत्र के खिरिया निवासी प्रदीप रावत से प्रेम विवाह किया था। आरोप है कि ससुराल में मारपीट और दहेज की मांग के बाद उसे मायके भेज दिया गया। इस बीच पति की दूसरी जगह सगाई होने और अगले महीने शादी की तैयारी की जानकारी मिलने पर वह विरोध करने पहुंची थी। वहां मारपीट और जेवर-पैसे लूटने का भी आरोप लगाया। महिला का आरोप है कि 6 नवंबर की घटना की एफआईआर में पुलिस ने लूट की धाराएं नहीं लगाईं और उसकी शिकायत अनसुनी की। थाना प्रभारी पर भी कार्रवाई से इनकार करने का आरोप लगाया है। वहीं टीआई अरुण प्रताप सिंह ने आरोपों से इनकार करते हुए कहा कि एफआईआर दर्ज की गई है और बाद में बयानों के आधार पर एससी-एसटी एक्ट की धारा भी बढ़ाई गई।

पंचायत पर मनमानी का आरोप तार फेंसिंग कर बंद किया रास्ता

डुडवारा में सरपंच-सचिव पर मनमानी का आरोप, आम रास्ता बंद होने से आवागमन और पेयजल की समस्या, सीएम हेल्पलाइन में भी की शिकायत

नरसिंहपुर। दोपहर मेट्रो

ग्राम पंचायत डुडवारा में तार फेंसिंग कर वर्षों पुराने आम रास्ते को बंद किए जाने का मामला सामने आया है। पंचायत की इस कार्रवाई से ग्रामीणों को आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इस संबंध में ग्राम निवासी नारायण प्रसाद तिवारी ने लिखित आवेदन देकर प्रशासन से शिकायत की है।

आवेदन में आरोप लगाया गया है कि सरपंच और सचिव ने बिना ग्रामसभा की सहमति के मनमाने ढंग से तार फेंसिंग कर आम रास्ता बंद कर दिया है। इस रास्ते से मोहल्लेवासी गांव में आवागमन करते थे। साथ ही किसान ट्रैक्टर-ट्रॉली, बैलगाड़ी और मवेशियों को लेकर फोरलेन के अंडरपास तक पहुंचते थे। रास्ता बंद होने के कारण अब ग्रामीणों को नेशनल हाईवे की विपरीत दिशा से गुजरना पड़ रहा है, जिससे दुर्घटना की आशंका बनी रहती है।

ग्रामीण हो रहे परेशान

ग्रामीणों के अनुसार तार फेंसिंग के पास स्थित शासकीय हैंडपंप तक पहुंचने का रास्ता भी बाधित हो गया है, जिससे पेयजल की समस्या खड़ी हो रही है। रास्ता बंद होने से आवारा मवेशियों के फोरलेन पर पहुंचने का खतरा भी बढ़ गया है। शिकायतकर्ता ने पंचायत पर राशि के दुरुपयोग का आरोप लगाते हुए सीएम हेल्पलाइन में भी शिकायत दर्ज कराई है।

ग्रामीणों ने प्रशासन से तार फेंसिंग हटवाकर पूर्ववत 10 फीट चौड़ा रास्ता उपलब्ध कराने की मांग की है। अब देखना होगा कि प्रशासन इस मामले में क्या कार्रवाई करता है।

शहीद आशीष शर्मा के नाम से बोहानी में बनेगा 3 करोड़ रुपये की लागत का स्टेडियम

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने की थी घोषणा, कैबिनेट मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल के प्रयासों से निर्माण के लिए राशि मंजूर

नरसिंहपुर। दोपहर मेट्रो

जिले के गौरव एवं शहीद आशीष शर्मा की स्मृति को अक्षुण्ण बनाए रखने की दिशा में बोहानी में उनके नाम से भव्य स्टेडियम का निर्माण किया जाएगा। लगभग 3 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले इस स्टेडियम के लिए राशि स्वीकृत हो गई है। इससे क्षेत्र के युवाओं को खेल गतिविधियों एवं प्रतिभाओं को निखारने के लिए बेहतर सुविधाएं मिल सकेंगी उल्लेखनीय है कि मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शहीद आशीष शर्मा के नाम पर बोहानी में स्टेडियम निर्माण की घोषणा की थी। कैबिनेट मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल के प्रयासों से इस घोषणा को अमलीजामा पहनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए निर्माण के लिए 3 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत कराई गई है स्टेडियम का निर्माण शहीद आशीष शर्मा के बलिदान और देश के प्रति उनके समर्पण की स्मृति को आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाने का माध्यम बनेगा। साथ ही ग्रामीण क्षेत्र के खिलाड़ियों को अभ्यास एवं खेल प्रतियोगिताओं के लिए बेहतर मैदान और सुविधाएं उपलब्ध हो सकेंगी उक्त जानकारी देते हुए विधायक मीडिया प्रभारी वैभव नेमा ने बताया कि इस स्टेडियम के निर्माण से बोहानी सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में खेल गतिविधियों को प्रोत्साहन मिलेगा।



मेट्रो एंकर

अहमदाबाद से 250 से अधिक श्रद्धालु पहुंचे कल्याण सेवा आश्रम, पांच दिवसीय संगीतमय शिव महापुराण एवं नर्मदा महापुराण कथा में गुजराती भाषा में हो रहा ज्ञान और भक्ति का प्रवाह

मां नर्मदा की नगरी में शिवभक्ति की अमृतवर्षा, गुजराती श्रद्धालु हो रहे शामिल

अमरकंटक। दोपहर मेट्रो

मां नर्मदा की पावन उद्गम स्थली अमरकंटक इन दिनों शिवभक्ति और नर्मदा महिमा के रंग में सराबोर है। यहां स्थित कल्याण सेवा आश्रम में 14 से 18 नवंबर तक पांच दिवसीय शिव महापुराण एवं नर्मदा महापुराण कथा का भव्य आयोजन किया जा रहा है। मीराबिका ट्रस्ट अहमदाबाद, गुजरात के तत्वावधान में आयोजित इस धार्मिक अनुष्ठान में अहमदाबाद से 250 से अधिक महिला-पुरुष श्रद्धालु शामिल होने पहुंचे हैं।

कथा व्यास श्रीमती ममता बहन पंडित अपनी मधुर वाणी और संगीतमय प्रस्तुति से गुजराती भाषा में श्रद्धालुओं को कथा का रसपान करा रही हैं। कथा में भगवान शिव की दिव्य लीलाओं, उनकी महिमा, आराधना के महत्व तथा



मां नर्मदा के प्राकट्य और आध्यात्मिक महत्ता का भावपूर्ण वर्णन किया जा रहा है। संगीत की स्वर लहरियों के बीच श्रद्धालु भक्ति में लीन होकर कथा श्रवण कर रहे हैं।

कथा के माध्यम से सनातन संस्कृति, सदाचार, सेवा, समर्पण और जीवन मूल्यों का संदेश भी दिया जा रहा है। मां नर्मदा की पवित्र धरती पर उन्हीं की महिमा से जुड़ी कथा का श्रवण करना गुजरात से आए श्रद्धालुओं के लिए विशेष आध्यात्मिक अनुभव बन गया है। आयोजन में मीराबिका ट्रस्ट की श्रीमती जिगीशा बेन पटेल, धरमेश भाई पटेल, विजयी भाई पटेल एवं अश्विन भाई पटेल की महत्वपूर्ण सहभागिता है। पांच दिवसीय कथा महोत्सव का समापन 18 नवंबर को होगा।

शिव महिमा के साथ गूंज रहे भक्ति के स्वर

कल्याण सेवा आश्रम में आयोजित संगीतमय कथा में श्रीमती ममता बहन पंडित भगवान शिव की दिव्य लीलाओं और महिमा का भावपूर्ण वर्णन कर रही हैं। गुजराती भाषा में प्रस्तुत कथा श्रद्धालुओं को सहज रूप से धर्म और अध्यात्म से जोड़ रही है। मधुर संगीत और भक्तिमय वातावरण के बीच शिव आराधना, ईश्वर के प्रति समर्पण और सदाचार का संदेश दिया जा रहा है। कथा के प्रत्येक प्रसंग में भगवान शिव की महिमा के साथ जीवन को सकारात्मक और संस्कारवान बनाने की प्रेरणा भी मिल रही है। अहमदाबाद से आए श्रद्धालु पूरे उत्साह और श्रद्धाभाव के साथ कथा में शामिल होकर आध्यात्मिक आनंद की अनुभूति कर रहे हैं।

नर्मदा उद्गम पर कथा श्रवण बना विशेष अनुभव

अमरकंटक मां नर्मदा की उद्गम स्थली होने के कारण देशभर के श्रद्धालुओं की आस्था का प्रमुख केंद्र है। ऐसे पवित्र स्थल पर शिव महापुराण के साथ नर्मदा महापुराण का श्रवण गुजरात से आए भक्तों के लिए यादगार आध्यात्मिक अनुभव बन रहा है। मान्यता के अनुसार मां नर्मदा का भगवान शिव से विशेष संबंध है। यही कारण है कि शिव और नर्मदा की महिमा से जुड़ी कथा यहां विशेष धार्मिक महत्व रखती है। मीराबिका ट्रस्ट अहमदाबाद के इस आयोजन ने गुजरात और मध्यप्रदेश के बीच धार्मिक एवं सांस्कृतिक जुड़ाव को भी नई मजबूती दी है। 18 नवंबर को कथा का समापन होगा।

टेस्ट सीरीज

फाइनल की राह का सबसे बड़ा टेस्ट

टीम इंडिया का न्यूजीलैंड दौरा अब अपने आखिरी और सबसे महत्वपूर्ण पड़ाव पर पहुंच गया है।12 मैचों की टेस्ट सीरीज का आगाज गुरुवार भारतीय समयानुसार सुबह 3.30 बजे हो रहा है।मतलब क्रिकेट के चाहने वालों के लिए अगर टेस्ट मैच को रोज शुरुआत से देखना है तो बेहद तड़के ही जागना पड़ेगा।तमाम सवालों, प्रयोगों और उतार-चढ़ाव के बावजूद टीम इंडिया के लिए अब तक यह दौरा शानदार रहा है। इसकी वजह भी साफ है। सफेद गेंद के क्रिकेट में अपना दबदबा कायम रखते हुए टीम इंडिया ने पहले टी-20 और फिर वनडे सीरीज अपने नाम की। लेकिन अब भारतीय खिलाड़ियों के सामने क्रिकेट के असली और सबसे चुनौतीपूर्ण फॉर्मेट यानी टेस्ट क्रिकेट की परीक्षा है,जिसमें भारतीय क्रिकेट लगातार पिछड़ रहा है। ऐसे में टीम इंडिया और न्यूजीलैंड के बीच दो टेस्ट मैचों की सीरीज खेली जानी है, जिसमें जीत का मतलब सिर्फ एक और सीरीज अपने नाम करना नहीं, बल्कि वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2027 के फाइनल की दावेदारी को मजबूत करना भी होगा।यह सीरीज टीम इंडिया के नजरिये से कई मायनों में अहम है। न्यूजीलैंड की सरजमीं पर गंभीर सेना का टेस्ट रिकॉर्ड और हाल के वर्षों में कीवियों के खिलाफ मिली चुनौतियां मेहमान टीम के लिए चिंता का विषय रही हैं। इतना ही नहीं, घरेलू मैदान पर न्यूजीलैंड ने टीम इंडिया को 3-0 से हराकर टेस्ट क्रिकेट में बड़ा झटका दिया था। उस हार की कसक आज भी भारतीय क्रिकेट के लिए किसी चुनौती से कम नहीं है। ऐसे में न्यूजीलैंड की जमीन पर सीरीज जीतकर अब टीम इंडिया के पास उस हार का हिसाब बराबर करने का मौका होगा।हालांकि यह कारनामा करना आसान नहीं होगा,लेकिन फिर भी टीम इंडिया का असल गोल फिलहाल वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल है।गंभीर सेना अगर 2027 के फाइनल में जगह बनाने का सपना देख रही है तो उसे इस सीरीज में हर हाल में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। टेस्ट क्रिकेट में अंकों का गणित जितना महत्वपूर्ण है, उतना ही जरूरी विदेशी परिस्थितियों में टीम का प्रदर्शन भी है। न्यूजीलैंड की तेज और उछाल भरी पिचों पर भारतीय बल्लेबाजों की तकनीक, धैर्य और गेंदबाजों की अनुशासित रणनीति की असल परीक्षा होगी। यहां सिर्फ आक्रामक बल्लेबाजी से काम नहीं चलेगा, बल्कि हालात के हिसाब से खुद को ढालना भी अहम होगा।अगर मौजूदा दौरे पर नजर डालें तो चयनकर्ताओं और टीम मैनेजमेंट ने तीनों फॉर्मेट में मिलाकर कुल 37 खिलाड़ियों को आजमाया है। इसका मतलब साफ है कि भारतीय क्रिकेट में प्रतिभा और विकल्पों की कमी नहीं है। लगभग हर उस खिलाड़ी को मौका मिला है जो किसी न किसी स्तर पर राष्ट्रीय टीम की दावेदारी पेश कर रहा है। हालांकि मोहम्मद शमी को इस दौरे पर मौका नहीं मिलना चयन प्रक्रिया और टीम मैनेजमेंट के फैसलों पर सवाल भी खड़े करता है। अब देखना होगा कि इतने बड़े खिलाड़ी समूह में से टेस्ट क्रिकेट के लिए चुने गए खिलाड़ी किस तरह अपनी उपयोगिता साबित करते हैं।टी-20 और वनडे में जीत दर्ज करना निश्चित रूप से भारतीय टीम के आत्मविश्वास को बढ़ाएगा, लेकिन टेस्ट क्रिकेट की चुनौतियां बिल्कुल अलग होती हैं। यहां पांच दिन तक एकाग्रता, फिटनेस, धैर्य और सामूहिक प्रदर्शन की जरूरत होती है। कप्तानी से लेकर टीम संयोजन और खिलाड़ियों के चयन तक हर फैसला निर्णायक साबित हो सकता है। सफेद गेंद फॉर्मेट की तरह रेड बॉल टेस्ट में भी एक बार फिर एकादश के संयोजन का सबसे दिलचस्प पहलू अतिरिक्त बल्लेबाजी गहराई,गेंदबाजी विकल्प और आलराउंडर के कॉम्बिनेशन का ही रहेगा।व्हाइट बॉल क्रिकेट में चैंपियन बनने के बाद अब टीम इंडिया के सामने लाल गेंद से भी अपनी काबलियत साबित करने की बड़ी चुनौती है। असली सवाल यही है कि क्या गंभीर सेना सीमित ओवरों की सफलता को टेस्ट क्रिकेट में भी दोहरा पायेगी सच तो यह है कि न्यूजीलैंड में इस दौरे का अंतिम अध्याय ही भारतीय क्रिकेट की असल ताकत और तैयारी का पैमाना तय करेगा।



आलोक गोस्वामी
खेल विश्लेषक

रोनाल्डो के समर्थन में उतरी मां, पुर्तगाल टीम पर लगाया धोखे का आरोप

कोच जॉर्ज जीसस बोले- मां की भावनाओं को समझता हूं

लिस्बन, एजेंसी

पुर्तगाल के दिग्गज फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो को लेकर विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। अब उनकी मां डोलोरेस एवेइरो ने पुर्तगाल की राष्ट्रीय फुटबॉल टीम पर अपने बेटे के साथ धोखा करने का आरोप लगाकर नया विवाद खड़ा कर दिया है। इस बयान के बाद पुर्तगाल टीम के मुख्य कोच जॉर्ज जीसस को सफाई देनी पड़ी। हालांकि, कोच ने रोनाल्डो की मां का सम्मान करते हुए उनकी नाराजगी को स्वाभाविक बताया और कहा कि इन बातों से टीम का ध्यान नहीं भटकेगा।

बेटे के सम्मान समारोह से नाराज हुईं डोलोरेस- दरअसल, डोलोरेस एवेइरो ने शनिवार को डेनमार्क के खिलाफ पुर्तगाल की 1-4 से हार के बाद अपनी नाराजगी जाहिर की थी। उन्होंने कहा कि वह टीम की हार से खुश हैं, क्योंकि उनके मुताबिक पुर्तगाल ने उनके बेटे क्रिस्टियानो रोनाल्डो के साथ अच्छा व्यवहार नहीं किया। डोलोरेस ने कहा, ÷बेशक वह दुखी था। उन्होंने क्रिस्टियानो को धोखा दिया और मैं भी दुखी हूं। यह हार पूरी तरह जायज थी और मुझे इससे खुशी हुई। सम्मान समारोह उसके सामने होना चाहिए था, उसकी गैरमौजूदगी में नहीं।÷

उनकी नाराजगी की मुख्य वजह रोनाल्डो के सम्मान में आयोजित समारोह का उनकी गैरमौजूदगी में होना है। डोलोरेस का मानना है कि उनके बेटे को सम्मान उसकी मौजूदगी में दिया जाना चाहिए था। डोलोरेस के आरोपों पर पुर्तगाल के मुख्य कोच जॉर्ज जीसस ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि वह रोनाल्डो की मां का बेहद सम्मान करते हैं। उन्होंने कहा, ÷शोर? नहीं। अब मुझे क्रिस्टियानो रोनाल्डो की मां को भी जवाब देना होगा? मैं उनका बहुत सम्मान करता हूं। एक मां तो मां होती है। मैं उनकी बातों को समझता हूं।



सवालों का जवाब देते रहेंगे कोच

जीसस ने आगे कहा कि उन्होंने पढ़ा है कि डोलोरेस ने अपने बच्चों को पालने में काफी मुश्किलों का सामना किया है। वह एक आदर्श मां हैं और उनकी भावनाएं स्वाभाविक हैं। कोच ने साफ किया कि इस तरह के बयानों से टीम का ध्यान नहीं भटकेगा। जीसस ने यह भी कहा कि उन्हें नहीं पता कि रोनाल्डो को लेकर सवाल कब खत्म होंगे, लेकिन वह हर सवाल का जवाब देने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि अगर अगले साल भी रोनाल्डो को लेकर सवाल पूछे जाएंगे तो वह जवाब देंगे। वह किसी भी सवाल से बचते नहीं हैं।

नेशंस लीग में पुर्तगाल के सामने बड़ी चुनौती

गौरतलब है कि जॉर्ज जीसस अल-नस्र में एक सीजन तक रोनाल्डो के साथ काम कर चुके हैं। उनकी कोचिंग में टीम ने सऊदी प्रो लीग का खिताब जीता था। अब पुर्तगाल के कोच के रूप में उनके सामने टीम को नेशंस लीग के ग्रुप में शीर्ष स्थान दिलाने की चुनौती है। वेल्स के खिलाफ मुकाबले में एक अंक हासिल करते ही पुर्तगाल की शीर्ष स्थान पर जगह पक्की हो जाएगी। ऐसे में रोनाल्डो को लेकर जारी विवाद के बीच कोच का पूरा ध्यान टीम के प्रदर्शन पर है।

आईपीएल 2027 से पहले चेन्नई सुपर किंग्स ने सौंपी मेंटर की जिम्मेदारी

माही ने मैदान छोड़ा, CSK का किला नहीं! अब छठे खिताब के लिए डगआउट से करेंगे वार

नई दिल्ली , एजेंसी

पीली जर्सी में मैदान पर उतरकर आखिरी ओवरों में छक्के लगाने वाले महेंद्र सिंह धोनी अब चेन्नई सुपर किंग्स के लिए खिलाड़ी के रूप में नजर नहीं आएंगे। विकेट के पीछे उनकी फुर्ती, दबाव में शांत रहने का अंदाज और आखिरी गेंद तक जीत की उम्मीद बनाए रखने वाला उनका खेल अब यादों का हिस्सा बनेगा। हालांकि, चेन्नई से उनका रिश्ता खत्म नहीं हुआ है। पांच बार टीम को आईपीएल का खिताब दिलाने वाले धोनी अब नई भूमिका में नजर आएंगे। चेन्नई सुपर किंग्स ने घोषणा की है कि आईपीएल 2027 से पहले धोनी टीम के मार्गदर्शक की जिम्मेदारी संभालेंगे। यानी अब माही मैदान पर उतरकर मुकाबले नहीं जिताएंगे, बल्कि डगआउट से खिलाड़ियों को जीत का रास्ता दिखाएंगे।

कप्तान से मार्गदर्शक तक, माही की नई पारी

45 वर्षीय धोनी के लिए यह बदलाव उनके लंबे क्रिकेट सफर का नया अध्याय है। वर्ष 2008 में आईपीएल की शुरुआत से ही वह चेन्नई सुपर किंग्स की पहचान बने रहे। कप्तान, विकेटकीपर और बल्लेबाज के रूप में उन्होंने टीम को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। उनकी कप्तानी में चेन्नई ने 2010, 2011, 2018, 2021 और 2023 में पांच बार खिताब जीता। धोनी की सबसे बड़ी खूबी दबाव में सही निर्णय लेना और युवा खिलाड़ियों पर भरोसा जताना रही है। अब यही अनुभव वह नई पीढ़ी के खिलाड़ियों के साथ साझा करेंगे।



चेन्नई ने बताया जीवन में एक बार मिलने वाला खिलाड़ी

फ्रेंचाइजी ने सामाजिक माध्यमों पर धोनी की नई भूमिका की घोषणा करते हुए उन्हें जीवन में एक बार मिलने वाला खिलाड़ी बताया। अपने संदेश में चेन्नई ने कहा कि अनगिनत जीत, कठिन दौर और यादगार पलों के बीच धोनी हमेशा टीम के सफर का महत्वपूर्ण हिस्सा रहे हैं। खिताब जीतने से लेकर अगली पीढ़ी के खिलाड़ियों को तैयार करने तक उनका योगदान जारी रहेगा। फ्रेंचाइजी ने यह भी स्पष्ट किया कि चेन्नई हमेशा उनका घर रहेगा। इससे करोड़ों प्रशंसकों को राहत मिली है कि मैदान पर खिलाड़ी के रूप में विदाई के बावजूद माही टीम के साथ जुड़े रहेंगे। धोनी के खिलाड़ी के रूप में विदा होने के बाद चेन्नई के सामने कई चुनौतियां होंगी। विकेटकीपिंग के लिए संजू सैमसन को मजबूत विकल्प माना जा रहा है। वह बल्लेबाजी के साथ विकेट के पीछे भी टीम को मजबूती दे सकते हैं। हालांकि, धोनी की जगह केवल विकेटकीपर बदलकर पूरी नहीं की जा सकती। मध्यक्रम में उनकी बल्लेबाजी, अंतिम ओवरों में मुकाबला समाप्त करने की क्षमता और मैदान पर रणनीतिक सूझबूझ का विकल्प तलाशना आसान नहीं होगा। चेपॉक में जब टीम उतरेगी, तब प्रशंसकों को मैदान पर माही की कमी जरूर खलेगी। लेकिन डगआउट में उनकी मौजूदगी टीम को संबल देगी। धोनी को नई जिम्मेदारी ऐसे समय मिली है, जब चेन्नई पिछले तीन सत्र से अंतिम चार में जगह बनाने में नाकाम रही है। वर्ष 2026 में टीम ने 14 मुकाबलों में केवल छह जीत दर्ज की और आठवें स्थान पर रही। पांच बार की विजेता टीम अब पुराने गौरव को वापस पाना चाहेगी।

छठे खिताब के लिए माही के अनुभव पर नजरें| मार्गदर्शक के रूप में धोनी की सबसे बड़ी जिम्मेदारी खिलाड़ियों को मानसिक रूप से मजबूत बनाना और कठिन परिस्थितियों में सही निर्णय लेने के लिए तैयार करना होगी। हालांकि, मैदान पर फैसले लेने की जिम्मेदारी कप्तान और प्रशिक्षक दल की होगी, लेकिन धोनी का अनुभव टीम के लिए बड़ी ताकत साबित हो सकता है। उन्होंने अपने पूरे सफर में कई युवा खिलाड़ियों को अवसर दिया और मुश्किल समय में उनका हौसला बढ़ाया। अब यही भूमिका वह मैदान के बाहर निभाएंगे।

एसआरएच को बड़ा झटका!

अगला सीजन नहीं खेलेंगे ट्रेविस हेड, अभिषेक शर्मा को नए ओपनिंग पार्टनर की तलाश

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2027 से पहले सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) की मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही हैं। टीम के विस्फोटक सलामी बल्लेबाज ट्रेविस हेड ने वर्कलोड मैनेजमेंट को ध्यान में रखते हुए अगले सीजन में नहीं खेलने का फैसला किया है। क्रिकइन्फो की रिपोर्ट के मुताबिक, हेड ने अपने इस फैसले की जानकारी फ्रेंचाइजी प्रबंधन को दे दी है। उनके इस निर्णय से हैदराबाद की बल्लेबाजी रणनीति पर बड़ा असर पड़ सकता है।

ट्रेविस हेड के आईपीएल 2027 से बाहर रहने की सबसे बड़ी वजह ऑस्ट्रेलिया का व्यस्त अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम बताया जा रहा है। आने वाले महीनों में ऑस्ट्रेलियाई टीम को कई महत्वपूर्ण मुकाबले खेलने हैं। इनमें विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल, एशेज सीरीज और 2027 का एकदिवसीय विश्व कप प्रमुख हैं। ऑस्ट्रेलिया के मुख्य कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड ने भी पहले संकेत दिए थे कि टीम को अपने खिलाड़ियों के कार्यभार और अंतरराष्ट्रीय प्राथमिकताओं को देखते हुए कुछ महत्वपूर्ण फैसले लेने होंगे। ऐसे में हेड ने राष्ट्रीय टीम की तैयारियों और आराम को प्राथमिकता देने का निर्णय लिया है। ट्रेविस हेड पिछले तीन सत्रों से सनराइजर्स हैदराबाद का हिस्सा रहे हैं। फ्रेंचाइजी ने उन्हें 2024 की नीलामी में 6.8 करोड़ रुपये में खरीदा था। पहले ही सीजन में उन्होंने अपनी तूफानी बल्लेबाजी से टीम को फाइनल तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई थी। हालांकि, फाइनल में हैदराबाद को कोलकाता नाइट राइडर्स के हाथों हार का सामना करना पड़ा था।



मनोरंजन | बॉलीवुड का कोना

कश्मीर की वादियों में खोईं सुरभि

पहलगाम में बोटिंग से साइकिलिंग तक किया जमकर एंजॉय, बोलीं- जन्नत का एक टुकड़ा

मुंबई। टेलीविजन की मशहूर अभिनेत्री सुरभि चंदना इन दिनों अपनी खूबसूरत ट्रैवल डायरी को लेकर चर्चा में हैं। अभिनेत्री कश्मीर के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल पहलगाम पहुंची हैं, जहां वह प्रकृति की खूबसूरती के बीच सुकून के पल बिता रही हैं। पहाड़ों, झीलों और हरी-भरी वादियों के बीच सुरभि अपनी छुट्टियों का भरपूर आनंद लेती नजर आ रही हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर अपनी इस ट्रिप का एक खूबसूरत वीडियो शेयर किया है, जिसे देखकर फैंस भी कश्मीर की वादियों की तारीफ कर रहे हैं।

कभी बोटिंग तो कभी साइकिलिंग, हर अंदाज में दिखीं मस्ती करती

सुरभि चंदना ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर पहलगाम यात्रा की कई झलकियां साझा की हैं। वीडियो में अभिनेत्री खूबसूरत झील के किनारे एक चट्टान पर बैठकर प्राकृतिक नजारों का आनंद लेती दिखाई दे रही हैं। इसके अलावा वह बोट राइड करती नजर आ रही हैं। वीडियो की दूसरी झलकियों में सुरभि कभी डांस करती दिखती हैं तो कभी साइकिल चलाकर आसपास की खूबसूरत जगहों को एक्सप्लोर करती हैं। कश्मीर की ठंडी हवाओं और शांत वातावरण के बीच अभिनेत्री का मस्ती भरा अंदाज फैंस को खूब पसंद आ रहा है। अपनी ट्रिप का वीडियो शेयर करते हुए सुरभि ने बेहद खूबसूरत कैप्शन लिखा। उन्होंने कहा, खुदा की नेमत, पहलगाम। जन्नत का एक टुकड़ा, पहलगाम। अभिनेत्री के इस कैप्शन से अंदाजा लगाया जा सकता है कि वह कश्मीर की प्राकृतिक सुंदरता से कितनी प्रभावित हैं। बता दें कि पहलगाम अपनी हरी-भरी वादियों, कल-कल बहती नदियों, बर्फ से ढके पहाड़ों और शांत वातावरण के लिए मशहूर है। यही वजह है कि यह देश-विदेश के पर्यटकों के पसंदीदा पर्यटन स्थलों में शामिल है।



एक्टिंग के बाद प्रोडक्शन की दुनिया में भी रखा कदम

सुरभि चंदना लंबे समय से टेलीविजन इंडस्ट्री में सक्रिय हैं। अभिनय के अलावा अब वह प्रोडक्शन और म्यूजिक के क्षेत्र में भी अपनी पहचान बनाने की दिशा में आगे बढ़ रही हैं। साल 2026 में उन्होंने अपने पति करण शर्मा के साथ मिलकर फील गुड स्टूडियोज नाम से प्रोडक्शन हाउस और फील गुड ओरिजिनल्स म्यूजिक लेबल लॉन्च किया। इसके अलावा वह एकता कपूर के साथ इश्क डूम और इडली रसमप्रोजेक्ट से भी जुड़ी हैं। यह कूकिंग और रोमांस पर आधारित म्यूजिक-ड्रामा शो है, जिसमें प्यार, भावनाओं और शेफ के बीच प्रतिद्वंद्विता की कहानी दिखाई जाएगी।

इंडियन आइडल के मंच पर भावुक हुईं उर्मिला मतोंडकर, हिंदी सिनेमा -संगीत की सराहना की

मुंबई। अभिनेत्री उर्मिला मतोंडकर हाल ही में सिंगिंग रियलिटी शो इंडियन आइडल लेजेंड्स रिटर्न में गेस्ट के तौर पर शिरकत की। शो में उन्होंने संगीत की विरासत और इंडियन म्यूजिक इंडस्ट्री को आकार देने वाले कलाकारों की सराहना की। शो में उर्मिला ने हिंदी सिनेमा से अपने पर्सनल कनेक्शन के बारे में बात की और बताया कि कैसे म्यूजिक पर्दे पर इमोशन्स और कहानियों को जिंदा करने में अहम भूमिका निभाता है।

उर्मिला ने कहा, इंडियन आइडल लेजेंड्स रिटर्न का हिस्सा बनना मेरे लिए काफी पर्सनल रहा है। हिंदी सिनेमा के जादू को करीब से देखने के बाद मैं जानती हूं कि म्यूजिक किसी फिल्म को कितनी गहराई से बदल सकता है, किसी पल को खास बना सकता है और कहानी खत्म होने के बाद भी लोगों के दिलों में बस सकता है। अभिनेत्री ने गानों की महत्ता पर बात करते हुए कहा, कई बार कोई विजुल्स वो बात नहीं कह पाते हैं, जो आवाज कह जाती है। जैसे, किसी सीन में दुख, प्यार या खुशी दिखाया जा रहा हो लेकिन जब उस पर एक अच्छा गाना बजता है, तो वो फीलिंग सीधे दिल तक पहुंच जाती है। इसीलिए म्यूजिक हमारी फिल्मों का इतना जरूरी हिस्सा है और जब हम उन पुराने गायकों को फिर से स्टेज पर लौटते देखते हैं, तो अपनी पुरानी यादें ताजा करते हैं। उन्होंने कहा, पुराने गायकों की आवाजें दर्शकों की यादों का हिस्सा रही हैं और उन्हें फिर से एक साथ देखना ऐसा लगा जैसे टैलेंट, म्यूजिक और इंडियन आइडल फैमिली का एक खूबसूरत रीयूनियन देख रही हूं।सिंगिंग रियलिटी शो इंडियन आइडल लेजेंड्स रिटर्न शनिवार और रविवार को रात 8-00 बजे प्रसारित होता है। इसमें जाने-माने गायक और संगीतकार हिमेश रेशमिया मुख्य जज के रूप में नजर आ रहे हैं और शो को आदित्य नारायण होस्ट कर रहे हैं।





मेट्रो बाजार

मेक इन इंडिया और स्टार्टअप इंडिया से देश में निवेश और मैन्युफैक्चरिंग में हुई बढ़ोतरी

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने पहले कार्यकाल में दो बड़ी योजनाएं मेक इन इंडिया और स्टार्टअप इंडिया शुरू की थीं। दोनों के ही काफी अच्छे परिणाम मिले हैं और इससे देश में निवेश और मैन्युफैक्चरिंग में तेज इजाफा हुआ है। यह बयान एक्सपर्ट्स की ओर से दिया। बर्टेल्समैन इन्वेस्टमेंट इंडिया में पार्टनर रोहित सूद ने कहा,÷पीएम मोदी के द्वारा शुरू की गई दोनों पहल मेक इन इंडिया और स्टार्टअप इंडिया काफी सफल रही हैं। मेक इन इंडिया के तहत देश में मोबाइल फोन की मैन्युफैक्चरिंग काफी तेजी से बढ़ी है। साथ ही, निर्यात में भी इजाफा हुआ है। उन्होंने आगे कहा, इन योजनाओं से देश के कई क्षेत्रों में निवेश आया है और हमने खुद ऐसे स्टार्टअप्स में निवेश किया है, जो स्पेशियलिटी केमिकल और अन्य एडवांस मटेरियल के क्षेत्र में काम कर रहे हैं। सूद ने आगे कहा कि देश की बड़ी जनसंख्या अभी तक कृषि पर निर्भर है। हम सर्विसेज में भी अच्छा कर रहे हैं। अब देश में मैन्युफैक्चरिंग को काफी तेजी से बढ़ाना है। चीन, जापान और जर्मनी जैसे देशों ने मैन्युफैक्चरिंग के दम पर ही तेज विकास हासिल किया है। रोजाना के सह-संस्थापक अद्वैत सिंह ने कहा कि देश के ग्रामीण इलाकों में मौजूदा समय में 42 लाख करोड़ से ज्यादा का उपभोग होता है। यूपी में अकेले कॉस्मेटिक, प्रोसेस्ड फूड और अन्य की 1.5 से 2 लाख करोड़ की खपत होती है। इससे कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि 2047 के भारत के लिए प्रधानमंत्री ने जो विजन देखा है, वह अब पूरे देश और दुनिया में दिखाई दे रहा है।

विदेशी निवेशकों की वापसी से आर्थिक गतिविधियों में आएगी तेजी, निर्यात भी बढ़ेगा : ईएसी पीएम चेयरमैन

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद (ईएसी-पीएम) के चेयरमैन प्रो.एस.महेंद्र देव ने मंगलवार को कहा कि विदेशी निवेशकों की वापसी से घरेलू आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। साथ ही, इससे निर्यात में भी इजाफा होगा। राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित बीवाईएसटी जेआरडी टाटा ऑवर्ड्स 2026 के साइडलाइन में मीडिया से बातचीत में देव ने कहा कि हमें इस साल देश की विकास दर 7.3 प्रतिशत रहने की उम्मीद है और अगली तिमाही में यह 7.7 प्रतिशत रह सकती है। देश में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) और विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (एफपीआई) वापस आ रहे हैं।

उन्होंने आगे कहा कि देश को घरेलू निवेशकों के साथ विदेशी निवेशकों की भी आवश्यकता है। इससे निर्यात और अन्य आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा और हमारे घरेलू निवेश को भी मदद मिलेगी। देश के निर्यात में तेज उछाल को लेकर पूछे गए एक सवाल के जवाब में ईएसी-पीएम के चेयरमैन ने कहा कि हमने तेजी से देश के निर्यात में विविधता लाई है और हम वित्त वर्ष 2026-27 तक निर्यात को बढ़ाकर एक ट्रिलियन डॉलर तक ले जाने की योजना बना रहे हैं। बीवाईएसटी की संस्थापक और मैनेजिंग ट्रस्टी, लक्ष्मी वेंकटरमन वेंकटेशन ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से कहा कि मैं सभी उद्यमियों और मेंटर्स की सराहना करती हूं। खास तौर पर मुझे इस बात की खुशी है कि ये उद्यमी तमिलनाडु, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश और हरियाणा से आए हैं। उन्हें दिल्ली आकर नितिन गडकरी जैसे उद्यमी सोच वाले व्यक्ति के हाथों ये पुरस्कार मिले हैं।





सुनहरा श्रीनगर

कश्मीर घाटी में शरद ऋतु ने अपनी पूरी रंगत बिखेर दी है। श्रीनगर स्थित ऐतिहासिक निशात बाग में इन दिनों चिनार के सुनहरे पत्तों की चादर बिछी हुई है, जिसने पूरे बाग को मनमोहक बना दिया है। 17वीं सदी में मुगल काल में निर्मित यह बाग अपनी सुंदरता और शांत वातावरण के लिए प्रसिद्ध है। 12 सीढ़ियों वाला ऐतिहासिक बाग और ज़बरवान पर्वतमाला की पृष्ठभूमि में डल झील का किनारा किसी पेंटिंग की तरह नजर आता है। इस प्राकृतिक खूबसूरती और गिरते हुए पत्तों के दीदार के लिए देश-विदेश से बड़ी संख्या में सैलानी निशात बाग पहुँच रहे हैं। पर्यटक इस सुनहरे मौसम में टहलने, फोटोग्राफी करने और डल झील के नज़ारों का आनंद लेने के लिए यहाँ आ रहे हैं। चिनार के पेड़ों के सुनहरे, पीले, नारंगी और सुर्ख लाल पत्तों से बेहद मोहक और मनमोहक नजारा देखने को मिल रहा है।

एनवीडिया के पूर्व सीईओ जेन्सन हुआंग वापसी को तैयार, कहा- बोर्ड के फैसले पर ही लौटूंगा

मेरी वापसी शेयरहोल्डर्स, कर्मचारियों, कंपनी और अमेरिका के हित में है: हुआंग

कैलिफोर्निया। एजेंसी

एनवीडिया के पूर्व सीईओ जेन्सन हुआंग पद पर वापसी के लिए तैयार है। उन्होंने इस्तीफे के बाद पहली बार 'एक्स' पर पोस्ट कर बयान जारी किया। हुआंग ने पिछले हफ्ते एक चीनी महिला जासूस से अफेयर की खबरों के बाद पद छोड़ा था। हुआंग ने अपने पोस्ट में लिखा कि 'अगर बोर्ड फैसला करता है कि मेरी वापसी शेयरहोल्डर्स, कर्मचारियों, कंपनी और अमेरिका के हित में है, तो मैं उन अपीलों का जवाब देने और सीईओ के रूप में लौटने पर सम्मानित महसूस करूंगा।' हालांकि, एनवीडिया के चेयरमैन ने साफ कर दिया है कि बोर्ड का जेन्सन हुआंग को फिर से सीईओ बनाने का कोई इरादा नहीं है।

जेन्सन हुआंग ने कहा कि मैं एनवीडिया के लिए अपेक्षित मानकों पर खरा नहीं उतरा। मैंने अपने निजी जीवन में गंभीर गलतियां की हैं। बोर्ड के लिए समस्याएं पैदा कीं, जिसका मुझे गहरा अफसोस है। मैं पूरी जिम्मेदारी लेता हूं, और जांच में सहयोग करने तैयार हूं।



इस्तीफे के 4 दिन बाद जेन्सन के बयान जो अहम हैं...

1. **ये वापसी की खुली अपील है:** हुआंग ने सीधे नहीं कहा- 'मुझे वापस लो।' उन्होंने कहा- 'अगर बोर्ड चाहे तो मैं तैयार हूं।' ये एक तरह से बोर्ड पर जनता और कर्मचारियों का दबाव बनाने वाली रणनीति मानी जा रही है।
2. **गलती मानी, लेकिन डिटेल नहीं दी:** उन्होंने गंभीर गलतियां और बोर्ड के लिए समस्याएं मानीं, लेकिन किस अफेयर की बात हो रही है, इसका नाम नहीं लिया।
3. **अमेरिका कार्ड खेला:** बयान में 3 बार अमेरिका, अमेरिकी नागरिक, अमेरिका के हित में कहा। ये इसलिए, क्योंकि उन पर आरोप चीन से जुड़े हैं। वो ये दिखाना चाहते हैं कि वो अमेरिका के साथ हैं।
4. **परिवार से माफी:** आखिरी लाइन में पत्नी और बच्चों से माफी मांगी, 'मैं बाकी जिंदगी तुम्हारे लायक बनने में बिताऊंगा।'

हुआंग की वापसी के समर्थन में आए 1.90 लाख लोग

जेन्सन हुआंग की एनवीडिया में वापसी की मांग वाली ऑनलाइन याचिका पर 1 लाख 90 हजार से ज्यादा लोग हस्ताक्षर कर चुके हैं। टेक इंडस्ट्री से जुड़े लोगों के अलावा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने भी उनकी वापसी का समर्थन किया है।

अमेरिकी संसद की समितियों के सामने पेश होंगे हुआंग

एनवीडिया के चिप्स चीन भेजने और अमेरिकी नियमों के उल्लंघन को लेकर कंपनी की जांच चल रही है। अमेरिकी संसद की प्रमुख समितियों ने मंगलवार को बताया कि जेन्सन हुआंग जांच में अपना पक्ष रखने के लिए तैयार हो गए हैं। वह 1 दिसंबर को समितियों के सामने पेश होंगे। इसके अगले दिन, 2 दिसंबर को कंपनी के जनरल काउंसल टिम टेटर से सवाल-जवाब होंगे। इस बीच, एनवीडिया ने नियमों की निगरानी के लिए बोर्ड की एक नई समिति बनाई है। यह समिति देखेगी कि कंपनी राष्ट्रीय सुरक्षा और दूसरे देशों को चिप्स बेचने से जुड़े अमेरिकी नियमों का पालन कर रही है या नहीं। जेन्सन हुआंग के चीन की कारोबारी महिला एलिस हुआंग से संबंधों को लेकर जांच जारी है।

कोलकाता डायरी

सियासी रंगों से सराबोर फ़िज़ां, सड़कों पर नगर निगम चुनाव की राजनीति

दीपावली की जगमगाती रोशनी की तरह कोलकाता का आसमान भी इन दिनों सियासत के इंद्रधनुषी रंगों से चमक रहा है। राजनीतिक दलों से लेकर उनके जमीनी कार्यकर्ताओं तक, सभी कोलकाता और उसके जुड़वां शहर हावड़ा के आगामी नगर निगम चुनाव की तैयारियों में जुट गए हैं। हालांकि चुनाव की तारीख अभी राजनीति और अदालतों के भंवर में उलझी हुई है और इसके 2027 के शुरुआती महीनों तक टलने की आशंका है, लेकिन राजनीतिक दलों के नेता और कार्यकर्ता सड़कों पर उतर चुके हैं।



अजय विस्वास

बीजेपी कार्यकर्ताओं की गतिविधियां विशेष रूप से ध्यान खींच रही हैं। पार्टी के भीतर पुरानी और नई पीढ़ी के नेताओं के बीच खींचतान और गुटबाजी खुलकर सामने आने लगी है। खासकर 4 मई के बाद, जब राजनीतिक परिदृश्य में बदलाव आया और टीएमसी से जुड़े पुराने नेताओं और कार्यकर्ताओं के बीजेपी में आने का सिलसिला तेज हुआ, तब से पार्टी के भीतर पुराने और नए खेमों के बीच टकराव और बढ़ गया है।

शुभेंदु अधिकारी की जादू की छड़ी ने पूरे राजनीतिक परिदृश्य को एक नया रंग दे दिया है। मंच पर ममता बनर्जी के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रमों में साझेदारी करने वाले चर्चित गायक और राज्य के मंत्री इंद्रनील सेन की ईडी और बाद में सीआईडी की कार्रवाई के बाद गिरफ्तारी ने भ्रष्टाचार के एक बड़े पिटारे का मुंह खोल दिया है। सीएम शुभेंदु अधिकारी ने एक बड़ा रियलिटी शो भी पेश किया। उन्होंने गौतम अडाणी, मुकेश अंबानी, वेदांता समूह के चेयरमैन और पूर्णेंदु चटर्जी जैसे देश के बड़े औद्योगिक घरानों को एक मंच पर लाकर राज्य में औद्योगिक निवेश की नई उम्मीद जगाई। इन उद्योगपतियों की ओर से लाखों करोड़ रुपये के निवेश प्रस्तावों की घोषणा की गई। इसे बंगाल में औद्योगिक क्रांति की नई शुरुआत के रूप में पेश किया जा रहा है। इसी उत्साह के बीच शुभेंदु सरकार ने 5 नवंबर को उद्योग अनुकूल नई औद्योगिक नीति की घोषणा की। यह नीति वास्तव में बंगाल के औद्योगिक भविष्य के लिए कितनी निर्णायक साबित होगी, यह तो आने वाला समय ही बताएगा। फिलहाल इसे राज्य के औद्योगिक इतिहास में एक संभावित 'लाल अक्षरों वाला दिन' बताया जा रहा है।

दूसरी ओर, 'दादा' यानी भतीजे अभिषेक बनर्जी के जन्मदिन के नाम पर उनके पाटुआपाड़ा स्थित आवास को पोस्टरों और होर्डिंग्स से सजा दिया गया। नारेबाजी और शोर-शराबे के बीच सड़क जाम हो गई। कुछ देर बाद बीजेपी समर्थकों का एक बड़ा समूह भी वहां पहुंच गया। दोनों पक्षों के बीच नारेबाजी शुरू हुई और देखते ही देखते टकराव हिंसक झड़प में बदल गया। पुलिस भीड़ को नियंत्रित करने में नाकाम रही। पर्दा उठने से पहले ही सभी किरदार अपनी-अपनी भूमिका निभाने में जुट गए हैं। पूरा घटनाक्रम बता रहा है कि नगर निगम चुनाव की तारीख भले ही अभी तय न हुई हो, लेकिन बंगाल में चुनावी रंगमंच सज चुका है।

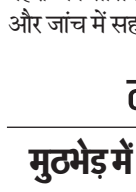
न्यूज विंडो

मुठभेड़ में बिल्लू इंदौरिया गैंग का बदमाश वाहिद अंसारी ढेर

अंबेडकरनगर। अकबरपुर कोतवाली क्षेत्र के शिवबाबा बैरियर पर चेकिंग के दौरान पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़ हो गई। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में गोली लगने से गाजीपुर निवासी बदमाश वाहिद घायल हो गया। उसे अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। वाहिद बिल्लू इंदौरिया गैंग का सदस्य था और सुपारी किलिंग के लिए कुख्यात था। उसका साथी अंधेरे और जंगल का फायदा उठाकर भाग गया। बदमाशों की फायरिंग में अकबरपुर कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक भूपेंद्र सिंह और स्वाट टीम के मुख्य आरक्षी सोनू यादव घायल हो गए। पुलिस के मुताबिक, 17 और 18 नवंबर की मध्यरात्रि शिवबाबा बैरियर पर संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की चेकिंग की जा रही थी। इसी दौरान अहिरौली की तरफ से पल्सर बाइक पर सवार दो संदिग्ध आते दिखाई दिए। पुलिस टीम ने उन्हें रोकने का प्रयास किया।

रूढियां तोड़ रचा इतिहास : पहली किन्नर सरपंच बनीं मनीषा बाई

ब्यावर। राजस्थान की रायपुर पंचायत समिति के कुशालपुरा गांव की जनता ने मनीषा बाई को गांव की पहली किन्नर सरपंच चुना है। मनीषा बाई ने पंचायत चुनाव में सफलता हासिल करते हुए दो पूर्व सरपंच परिवारों के प्रत्याशियों को पराजित किया। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी को 301 वोटों के अंतर से मात देकर जीत दर्ज की। इस परिणाम ने गांव के सियासी समीकरणों को पूरी तरह बदल दिया है और नए नेतृत्व के लिए रास्ता तैयार किया है। इस चुनावी जीत में महिलाओं के समर्थन ने भी मुख्य भूमिका निभाई। ग्रामीण अब गांव में विकास के नए दौर की उम्मीद कर रहे हैं। जीत के बाद मनीषा बाई ने सबसे पहले अपने गुरु का आशीर्वाद लिया।



पेरिस हिल्टन का दावा : 83 महिला सांसदों की अश्लील डीपफेक तस्वीरें ऑनलाइन

अमेरिका। एजेंसी

अमेरिका में ऑनलाइन यौन उत्पीड़न और बिना सहमति के बनाई गई अश्लील तस्वीरों (अश्लील डीपफेक) का मुद्दा एक बार फिर चर्चा में है। मॉडल और रियलिटी टीवी स्टार पेरिस हिल्टन ने एक चौंकाने वाला खुलासा करते हुए दावा किया है कि अमेरिकी कांग्रेस की 156 महिला सांसदों में से 83 की अश्लील डीपफेक तस्वीरें फिलहाल इंटरनेट पर मौजूद हैं। हिल्टन ने सीएनएन के कार्यक्रम 'द लीड' में बातचीत के दौरान यह जानकारी साझा की। उनका यह खुलासा सुनकर टैपर भी हैरान रह गए। हिल्टन इन दिनों अमेरिकी संसद के निचले सदन प्रतिनिधि सभा (हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स) से डीईएफआईएएनसीई एक्ट (डेफिएंस एक्ट) पारित कराने की मांग कर रही हैं। यह विधेयक इंटरनेट पर बिना सहमति के बनाई और साझा की जाने वाली यौन तस्वीरों और डीपफेक सामग्री पर रोक लगाने के उद्देश्य से लाया गया है।

राहुल अमेरिका में बोले- भारत आर्थिक संकट की कगार पर

न्यूयॉर्क/नई दिल्ली। एजेंसी

अमेरिका दौरे के दौरान राहुल गांधी ने कहा है कि भारत आर्थिक संकट की ओर बढ़ रहा है। इसके पीछे बड़े पैमाने पर बेरोजगारी और शिक्षा व्यवस्था से जुड़ी खामियां हैं। युवाओं में बढ़ती निराशा की मुख्य वजह यह है कि उन्हें अपना भविष्य नजर नहीं आता। राहुल गांधी ने यह बात न्यूयॉर्क में कोलंबिया यूनिवर्सिटी में छात्रों और फैकल्टी के सामने कही। राहुल अमेरिका के दो दिन के दौरे पर हैं। वे आज यूनिवर्सिटी ऑफ शिकागो का दौरा भी करने वाले हैं। राहुल ने स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) को सामान्य अभियान से बिल्कुल अलग बताया। उन्होंने कहा, 'इस अभियान में जितना पैसा खर्च किया गया, वह अनुमान से 50 गुना तक ज्यादा था। इतना पैसा कहां से आया। उन्होंने कहा, अचानक 5 लाख वोटों का मार्जिन मिल जाना संभव नहीं है। चुनावी नतीजों और वोटों के आंकड़ों को लेकर हमारी पार्टी (कांग्रेस) के पास कई सवाल हैं। हमारे पास चुनावी धांधली के कई सबूत हैं। इन्हें सामने लाने के लिए हम काम कर रहे हैं। राहुल ने कहा, 'हमारा मकसद देश की चुनावी व्यवस्था को फिर से दुरुस्त करना है। 'युवाओं में मौजूदा हालात को लेकर निराशा है। इनमें एक वर्ग मध्यमवर्गीय परिवारों से आता है और उसने औपचारिक शिक्षा हासिल की है।



मेट्रो एंकर

अयोध्या के नरियांवा में दुखना तपस्या स्वयं सहायता समूह की महिलाओं ने पेश की मिसाल

1.5 लाख के लोन से शुरू किया दोना-पत्तल बिजनेस, आज हैं सात मशीनें

अयोध्या। एजेंसी

आत्मनिर्भर बनने का संकल्प और सामूहिक प्रयास की ताकत हो तो छोटे स्तर से शुरू किया गया कारोबार भी सफलता की मिसाल बन सकता है। पूराबाजार ब्लॉक की नरियांवा ग्राम पंचायत स्थित दुखना तपस्या स्वयं सहायता समूह की महिलाओं ने इसे साबित किया है। डेढ़ लाख रुपये के ऋण से दोना-पत्तल बनाने का काम शुरू करने वाले इस समूह के पास आज सात मशीनें हैं। समूह की महिलाएं मिलकर उत्पादन कर रही हैं और हर महीने 25 से 30 हजार रुपये तक की बचत कर रही हैं।

वीरांगना ऊदा देवी के शौर्य से प्रेरित महिला शक्ति की यह तस्वीर ग्रामीण महिलाओं के श्रम, एकजुटता और आत्मनिर्भरता के संकल्प को दर्शाती है। स्वयं सहायता समूहों को स्वरोजगार से जोड़ने के प्रयासों के बीच नारियांवा की महिलाओं ने अपने लिए रोजगार का रास्ता तैयार किया है।

दुखना तपस्या स्वयं सहायता समूह ने दोना-पत्तल निर्माण के जरिए स्वरोजगार की शुरुआत की। समूह ने शुरुआती दौर में डेढ़ लाख रुपये का ऋण लेकर पहली मशीन खरीदी। उत्पादन शुरू हुआ तो महिलाओं ने कारोबार को आगे बढ़ाने का निर्णय लिया।

तीन लाख रुपये का लिया लोन



इसके बाद सीसीएल (कैश क्रेडिट लिमिट) के तहत तीन लाख रुपये का अतिरिक्त ऋण मिला। इससे उत्पादन क्षमता बढ़ाने और मशीनों की संख्या में इजाफा करने में मदद मिली। धीरे-धीरे समूह के पास सात मशीनें हो गईं। अब इन्हीं मशीनों के माध्यम से महिलाएं सामूहिक रूप से दोना-पत्तल तैयार कर रही हैं।

हर महीने 25 से 30 हजार की बचत

समूह की सदस्य दुखना ने बताया कि हर महीने 25 से 30 हजार रुपये तक की बचत हो रही है। महिलाओं के लिए यह कारोबार केवल आमदनी का जरिया नहीं, बल्कि अपनी मेहनत से आर्थिक रूप से मजबूत बनने का अवसर भी है। उपयुक्त स्वतः रोजगार सरिता गुप्ता ने बताया कि वीरांगना ऊदा देवी के शौर्य से प्रेरणा लेते हुए नारियांवा की महिलाएं भी अपने श्रम और सामूहिक प्रयासों से आगे बढ़ रही हैं। दुखना तपस्या समूह साबित कर रहा है कि सही मार्गदर्शन और सहयोग मिले तो ग्रामीण महिलाएं भी स्वरोजगार के जरिए आत्मनिर्भर बन सकती हैं। समूह की सफलता दूसरे गांवों की महिलाओं को भी स्वयं सहायता समूहों से जुड़कर अपना कारोबार शुरू करने के लिए प्रेरित कर रही है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया स्थानीय संपादक अनिल शर्मा*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564, 4917524